दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 06
अंकः- 133
मुरादाबाद
(Thursday)
03 September 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

प्रदेश के साढ़े तीन लाख आउटसोर्स कर्मचारियों को मिली सौगात, सैलरी में सात हजार रुपये तक की बढ़ोतरी

यूपीकोस के जरिये प्रदेश के विभिन्न विभागों में काम कर रहे आउटसोर्स कर्मचारियों का एकीकृत रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा। अभी कर्मचारियों से जुड़ी जानकारी अलग-अलग विभागों और आउटसोर्स एजेंसियों के स्तर पर रखी जाती है। नई व्यवस्था में इसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से जोड़ा जाएगा।यूपी के साढ़े तीन लाख आउटसोर्स कर्मचारियों को प्रदेश की योगी सरकार ने सौगात दी है। आउटसोर्स कर्मचारियों की सैलरी में 7 हजार रुपये तक की बढ़ोतरी की गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम की वेबसाइट लॉन्च करने के साथ ही इसका लोगो लॉन्च किया और आउटसोर्स कर्मचारियों को चेक भी बांटे। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक भी मौजूद रहे। कर्मचारियों को 50 लाख रुपये तक का बीमा कवर, आकस्मिक दवा के लिए 5 लाख और एयर एंबुलेंस के लिए 10 लाख रुपये की सहायता भी दी जाएगी।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम (यूपीकोस) के लोगो का अनावरण किया। इस दौरान निगम की वेबसाइट और पोर्टल भी लॉन्च किया गया। यूपीकोस के जरिये प्रदेश के विभिन्न विभागों में काम कर रहे आउटसोर्स कर्मचारियों का एकीकृत रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा।

अभी कर्मचारियों से जुड़ी जानकारी अलग-अलग विभागों और आउटसोर्स एजेंसियों के स्तर पर रखी जाती है। नई व्यवस्था में इसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से जोड़ा जाएगा।पोर्टल पर कर्मचारी की भर्ती, तैनाती, उपस्थिति और भुगतान से जुड़ी जानकारी दर्ज की जाएगी। इससे यह पता लगाना आसान होगा कि किस विभाग में कितने आउटसोर्स कर्मचारी काम कर रहे हैं और उन्हें कितना भुगतान किया जा रहा है। कर्मचारियों की सेवा से जुड़ा रिकॉर्ड भी डिजिटल रूप में उपलब्ध रहेगा। व्यवस्था लागू होने के बाद आउटसोर्स कर्मचारियों के भुगतान और तैनाती की प्रक्रिया पर निगरानी आसान होगी। किसी कर्मचारी के रिकॉर्ड, भुगतान या तैनाती से जुड़ी जानकारी की जरूरत होने पर उसे एक ही जगह से देखा जा सकेगा। इससे अलग-अलग एजेंसियों के जरिये होने वाली प्रक्रिया में गड़बड़ी की गुंजाइश कम करने में मदद मिलेगी।प्रदेश के विभिन्न सरकारी विभागों में बड़ी संख्या में कर्मचारी आउटसोर्स के जरिये काम कर रहे हैं। नई व्यवस्था का असर सीधे तौर पर इन कर्मचारियों की भर्ती, सेवा और भुगतान से जुड़ी प्रक्रिया पर पड़ेगा

एसआईआर पर कपिल सिब्बल का बड़ा आरोपः यह भाजपा को चुनाव जिताने की कोशिश

राज्यसभा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल ने चुनाव आयोग की ओर से कई राज्यों में चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि एसआईआर के जरिए मतदाता सूची में हेरफेर की कोशिश हो रही है और इसका मकसद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को चुनाव जिताने में मदद करना है। सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट से इस प्रक्रिया के तहत मतदाताओं के नाम थोक में हटाए जाने पर रोक लगाने की मांग की है। सिब्बल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि यह 'बहिष्कार की राजनीति' है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के एजेंट मुस्लिम मतदाताओं को निशाना बनाकर उनके नाम हटाने के लिए बड़ी संख्या में फॉर्म जमा कर रहे हैं। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से इस तरह की 'बल्क डिलीशन' यानी बड़ी संख्या में नाम हटाने की प्रक्रिया रोकने की अपील की। झारखंड के गोड्डा का मामला उठाया- कपिल सिब्बल ने अपने आरोपों के समर्थन में द इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट का हवाला दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, झारखंड के गोड्डा जिले में भाजपा से जुड़े लोगों की ओर से कुछ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने के लिए आवेदन दिए जाने का दावा किया गया है। इनमें बड़ी संख्या में अल्पसंख्यक समुदाय के लोग शामिल होने की बात कही गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ) ने भी कुछ मामलों को लेकर आपत्ति जताई। बीएलओ आम तौर पर सरकारी कर्मचारी होते हैं, जिन्हें चुनाव संबंधी जिम्मेदारियां दी जाती हैं। कपिल सिब्बल ने कहा कि अगर मतदाता सूची से ऐसे लोगों के नाम हटाने की कोशिश की जा रही है जो वर्षों से उसी जगह रह रहे हैं, तो यह बेहद गंभीर मामला है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में निष्पक्ष चुनाव के लिए मतदाता सूची का सही होना बेहद जरूरी है।एक साथ सैकड़ों नाम हटाने के लिए फॉर्म जमा किए जा सकते हैं% प्रेस कॉन्फ्रेंस में सिब्बल ने फॉर्म-7 का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में फॉर्म-7 एक साथ जमा किए जा सकते हैं। उनके मुताबिक, कोई व्यक्ति 45, 100 या 400 तक फॉर्म लेकर यह मांग कर सकता है कि इतने मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिए जाएं। कपिल सिब्बल ने दावा किया कि इस तरह के आवेदन में नाम हटाने की मांग की जा सकती है और बाद में अगर शिकायत गलत साबित होती है तो भी कोई खास असर नहीं पड़ता। उन्होंने आरोप लगाया कि झारखंड के गोड्डा में जिन लोगों के नाम हटाने के लिए आवेदन किए गए, उनमें कई मुस्लिम मतदाता थे। उन्होंने कहा कि जांच में ऐसे लोगों से बात की गई, जिन्होंने बताया कि वे और उनके परिवार लंबे समय से वहां रह रहे हैं। सिब्बल के मुताबिक, कुछ परिवार तो कई पीढ़ियों से वहां रह रहे हैं।में बड़ी संख्या में अल्पसंख्यक समुदाय के लोग शामिल होने की बात कही गई है।

संक्षिप्त समाचार

अंकित बालियान हत्याकांड में नया खुलासा-खास भाई की भड़क, जो खटकेगा वो भटकेगा..., इस गाने ने भड़काया था गिरोह

अंकित हत्याकांड की साजिश रचने वाले गोगी गिरोह के सरगना भोलू उर्फ राहुल की लोकेशन को लेकर पुलिस जांच कर रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि भोलू दिल्ली या हरियाणा में है अथवा कनाडा से इंडोनेशिया चला गया है। वहीं, सत्यम और आर्यन की तलाश में दिल्ली हवाई अड्डा खंगाला गया।शामली में हुए हरियाणवी गायक अंकित हत्याकांड में वांछित चल रहे करनाल के शार्प शूटर सत्यम और आर्यन की तलाश में पुलिस ने मंगलवार को दिल्ली हवाई अड्डा खंगाला। दोनों के विदेश भागने की आशंका को देखते हुए हवाई अड्डे पर निगरानी बढ़ाई गई है। इसके अलावा पुलिस टीमों ने हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और गुजरात में भी कई स्थानों पर उनकी तलाश के लिए दबिश दी। अंकित हत्याकांड के बाद से सत्यम और आर्यन वांछित हैं। पुलिस को आशंका है कि दोनों विदेश भागने की फिराक में हैं। कनाडा में गोगी गिरोह के चिराग और मोंटी के होने की जानकारी है, जो गिरोह का संचालन कर रहे हैं। देखते हुए पुलिस हवाई अड्डे समेत अन्य संभावित ठिकानों पर लगातार निगरानी कर रही है।पुलिस अधीक्षक नरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि गिरोह के संबंध में पुलिस को कई अहम सुराग मिले हैं। वांछित निशानेबाजों की तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। हवाई अड्डे पर भी निगरानी रखी जा रही है।

नेपाल बाढ़ में संकटमोचक बना भारतः मंत्री बोले- हर मुश्किल घड़ी में मिला साथ, पीड़ित बोले- हमारे लिए भगवान जैसे

नुवाकोट में 26 अगस्त की भीषण बाढ़ के बाद 'नेपाल-भारत मैत्री भवन' सैकड़ों विस्थापितों का सहारा बना है। भारत के सहयोग से संचालित अस्पताल में लोगों को रहने की जगह, इलाज, दवाएं और भोजन मिल रहा है। अस्पताल ने डॉक्टरों, नर्सों और मोबाइल मेडिकल टीमों को राहत कार्य में लगाया है।नुवाकोट में बाढ़ से बचे लोगों को नेपाल-भारत मैत्री भवन में एक जरूरी ठिकाना मिला है। यहां भारत के सहयोग से चल रहा एक अस्पताल, 26 अगस्त को जिले में आई भयानक बाढ़ से बेघर हुए लोगों को रहने की जगह, मेडिकल सुविधा और जरूरी मदद दे रहा है। बाढ़ से बचे कई लोगों के लिए यह जगह सिर्फ एक अस्पताल से कहीं बढ़कर है। ऊंची जगह पर बना मैत्री भवन उन सैकड़ों लोगों के लिए रहने की सुरक्षित जगह बन गया है, जिनके घर और सामान भोटे कोशी नदी की बाढ़ में नुवाकोट और आस-पास के इलाकों में बर्बाद हो गए थे। आयुर्वेद और वैकल्पिक चिकित्सा अस्पताल वाली इमारत को 2015 के भूकंप के बाद भारतीय दूतावास की आर्थिक मदद से फिर से बनाया गया था। समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए अस्पताल के प्रमुख डॉ. नरेंद्र प्रसाद गिरी ने कहा ,अस्पताल ने उन बेघर लोगों के लिए अपने दरवाजे खोले, जिनके पास जाने के लिए कोई और जगह नहीं थी। गिरी ने कहा, यह इमारत भूकंप के बाद दोबारा बनाई गई है। इसे बनाने में भारत के दूतावास ने आर्थिक मदद दी थी। यह इमारत लोगों के लिए एक बड़ा सहारा है। वहां से बचाए गए कई बेहाल लोगों को हम यहां लाए और उनका इलाज किया। अब उनकी सेहत स्थिर है। उन्होंने बताया कि हर रात 100 से ज्यादा विस्थापित लोग इस सुविधा केंद्र में रह रहे थे। साथ ही आस-पास के होल्डिंग सेंटरों में रह रहे लोगों को भी मेडिकल मदद दी जा रही थी। उन्होंने कहा,बाढ़ के बाद, लगभग छह लोग खुद हमारे पास आए थे। उन्हें मामूली चोटें आई थीं, जिनके लिए हमें टांके लगाने पड़े। एक व्यक्ति के टेंडन में भी चोट थी, जिसे हमने अगले दिन यहीं ठीक किया। गिरी ने बताया कि अस्पताल ने लगभग 11 डॉक्टर, पांच से सात नर्स और पांच से छह पैरामेडिक्स तैनात किए हैं। जरूरत पड़ने पर आस-पास के शेल्टरों में मोबाइल मेडिकल टीमें भी भेजी जा रही हैं। उन्होंने कहा, अब दवाइयां काफी हैं। हमारे पास अच्छी सप्लाई है। सप्लाई चेन भी अब अच्छी हो गई है। हम सिर्फ इसी जगह तक सीमित नहीं हैं। हम मोबाइल टीमें भी भेजते हैं। भारत हमारे लिए भगवान जैसा उन्होंने कहा, यहां डॉक्टरों और नर्सों ने मुझसे कहा, रोओ मत, हम तुम्हें बचा लेंगे, तुम्हारे घावों का इलाज करेंगे, दवा लगाएंगे और तुम्हें यहीं ठीक कर देंगे। वे मेरा इलाज कर रहे हैं और मेरी मदद कर रहे हैं; मुझे अच्छी देखभाल और सुविधाएं मिल रही हैं।% भारत की मदद के लिए आभार जताते हुए उन्होंने कहा, भारत सरकार हमारे पड़ोसी देश और एक दोस्त की तरह है। नेपाल में जब यह घटना हुई, तो भारत सरकार ने हमें बहुत मदद दी है। भारत शक्तिशाली है और हमारे लिए भगवान जैसा है। एक और बचे हुए व्यक्ति, राजू थापा मगर ने कहा कि यह अस्पताल इसलिए बहुत अहम हो गया है क्योंकि जिला अस्पताल तक पहुंचना मुश्किल हो गया था। उन्होंने कहा, हमें इसके लिए भारत सरकार का शुक्रिया अदा करना चाहिए। यह बहुत अच्छा काम है। ऐसे समय में अस्पताल के विकल्प सीमित होते हैं। हमारा जिला अस्पताल वहां था, लेकिन वहां जाने वाली सड़क अभी बंद है। इसलिए यह बहुत मददगार और तारीफ के काबिल काम है। मैत्री भवन में राहत सामग्री तब दी जा रही है जब नेपाल बाढ़ के भयानक असर से जूझ रहा है। नेपाल पुलिस के अनुसार, मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,127 हो गई है, जिसमें अकेले नुवाकोट से 155 शव बरामद किए गए हैं। इस बीच, भारत ने नेपाल को मानवीय सहायता बढ़ा दी है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि भारत का पांचवां विमान नेपाल के लिए रवाना हो गया है, जिसमें 11 सदस्यों की एक खास बचाव टीम और 5.5 टन जरूरी दवाएं हैं। भारत ने नेपाल में बचाव कार्यों और पीड़ितों की पहचान में मदद के लिए खास बचाव और फोरेंसिक टीमें भी तैनात की हैं।

राम मंदिर ट्रस्ट के नए सदस्यों की घोषणा, तीन नए पदाधिकारी नियुक्त , जितेंद्र मिश्रा बने सीईओ

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बैठक दो चरणों में होगी। पहले चरण की बैठक दोपहर दो बजे से प्रारंभ हो चुकी है। पहले चरण की बैठक में सीईओ पर चर्चा होगी। दूसरे चरण की बैठक में ट्रस्ट के अन्य पदाधिकारियों के नाम पर निर्णय लिया जाएगा।अयोध्या की मणिरामदास छावनी में हो रही श्रीराम ट्रस्ट की बैठक में ट्रस्ट में नए पदाधिकारियों की घोषणा की गई है। ट्रस्ट में तीन नए सदस्य शामिल किए गए हैं। नए शामिल होने वाले सदस्यों में मदन मोहन पांडेय अयोध्या के, महेश भागचंदका दिल्ली के और निर्मला यादव अयोध्या से हैं। बैठक में अंतरिम महासचिव डॉ. कृष्ण मोहन, कोषाध्यक्ष गोविंद देवगिरि, ट्रस्टी महंत दिनेंद्र दास, शंकराचार्य वासुदेवानंद सरस्वती समेत अन्य ट्रस्टी पहुंचे हैं। बैठक को लेकर अयोध्या में पहले से ही हलचल बनी हुई थी। बैठक में राम मंदिर के पहले मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के चयन को लेकर मंथन किया जा रहा है। सीईओ के चयन के लिए गठित तीन सदस्यीय सर्च कमेटी अपनी रिपोर्ट ट्रस्ट को सौंप चुकी है। रिपोर्ट में तीन नामों का पैनल दिए जाने की जानकारी है। फैसला होने की संभावना है। बैठक के दूसरे चरण में ट्रस्ट से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा की जाएगी।

गठबंधन में खटास : पीएम पद पर विजय की दावेदारी से कांग्रेस असहमत, बोली- 2029 के लिए राहुल गांधी ही पहली पसंद

कांग्रेस और टीवीके के बीच 2029 के प्रधानमंत्री पद को लेकर मतभेद सामने आए हैं। टीवीके जहां विजय को राष्ट्रीय नेतृत्व के लिए आगे बढ़ा रही है, वहीं कांग्रेस ने राहुल गांधी को अपनी पसंद बताते हुए गठबंधन के भीतर सियासी खींचतान के संकेत दिए हैं।तमिलनाडु की राजनीति में 2029 के लोकसभा चुनाव को लेकर अभी से सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। तमिलगा वेत्रि कझगम (टीवीके) की ओर से पार्टी प्रमुख और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय को प्रधानमंत्री पद के संभावित दावेदार के तौर पर पेश किए जाने पर कांग्रेस ने साफ तौर पर असहमति जताई है। कांग्रेस विधायक थराहाई कथबर्ट ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री पद को लेकर पार्टी का रुख स्पष्ट है। उन्होंने कहा कि 2029 में कांग्रेस लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को प्रधानमंत्री पद के लिए अपना उम्मीदवार मानेगी।

झङ्कच नेताओं के बयान पर कांग्रेस विधायक ने क्या कहा?

चेन्नई में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कथबर्ट ने टीवीके नेताओं के विजय को राष्ट्रीय नेतृत्व के चेहरे के तौर पर पेश करने पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि टीवीके का राजनीतिक आधार फिल्म उद्योग से जुड़ा रहा है और इसी वजह से उसके नेता विजय को प्रधानमंत्री पद के लिए आगे कर रहे हैं। कांग्रेस विधायक ने कहा कि टीवीके नेताओं की अपनी राय हो सकती है, लेकिन राजनीतिक स्तर पर कांग्रेस ने 2029 को लेकर अपना फैसला कर लिया है और राहुल गांधी ही पार्टी की पसंद होंगे।टीवीके के नेताओं की ओर से विजय को राष्ट्रीय राजनीति में बड़ी भूमिका देने की मांग के बीच दोनों दलों के बीच राजनीतिक मतभेद खुलकर सामने आने लगे हैं। टीवीके के वरिष्ठ मंत्री आधव अर्जुन पहले ही कह चुके हैं कि देश के शीर्ष संवैधानिक पद पर तमिलनाडु के किसी नेता को होना चाहिए। वहीं, एक निजी मीडिया सर्वे में भी विजय का नाम 2029 के संभावित प्रधानमंत्री पद के दावेदारों में सामने आया था। इस सर्वे में वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी के बाद पसंदीदा दावेदारों में बताए गए थे।टीवीके की ओर से विजय को प्रधानमंत्री पद के लिए संभावित चेहरा बताए जाने के बाद भाजपा ने भी कांग्रेस पर निशाना साधा है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सीआर केसवन ने सवाल उठाया कि झङ्कच नेताओं के बयानों के बावजूद कांग्रेस झङ्कच के नेतृत्व वाली सरकार में शामिल क्यों है।

संपादकीय Editorial

Who turned their backs?

The economic crisis teaches us what we don't learn under normal circumstances, so the paths are strengthened where clay is turned to stone. If tough decisions are born from the womb of economic crisis, that will be a measure of your worth; otherwise, even priceless pearls shatter and scatter. While Himachal's efforts to gather its scattered pearls are being tested, it's also worth considering that sooner or later, governments will have to change their character. It's being understood that after slashing the pay bills of ministers and MLAs, efforts are underway to nurture the future with tough decisions. In this context, extensions of service for officers and employees in Himachal have been put on hold, or reappointments have been halted. Although generous grants were distributed through extensions, re-employment, and re-engagement, the pens of such decisions are now sweating. The autumn in the government garden has ruined the days and months of the bees. The decision hasn't uprooted the previous extension, yet this spell will collapse in due course. In fact, every government in Himachal Pradesh has built magical castles for itself, but each wonder proves to be overwhelming. The streets of Shimla don't allow the rulers to be heard, and the drums that are played during welcomes completely dull the ears. Therefore, the racial traditions of senior officials keep Himachal dancing on their fingers. The real job comes after the term ends. These bell-bells have been taught the etiquette of silence, otherwise even the walls once had ears. On the other hand, the rewards cultivated through government experience have never allowed governments to venture beyond their four walls. Files create chaos in the silence of the secretariat, and the compulsions of power bleed in the whirlpool of martyrdom. However, Himachal's decisions are also being reviewed in the context of economic standards, so one must wonder who those quails were who ruined the entire field. Clearly, the expensive trappings of government employment have taken a toll on the treasury. Had past governments not turned the treasury into a slaughterhouse, their debts wouldn't have broken their limbs. Now, if job extensions are stalled, who can explain what system or demand allowed a few officers and employees to be held in high esteem, preventing them from ever feeling the government's disregard for them? Himachal's pursuit of reputation has always been a challenge. These final two years of a government's tenure often lead to the treasury's oblivion. Who has ever been satisfied? Whether the previous government provided free electricity or discounted HRTC bus service to women passengers, they have become loyal to power. Numerous announcements have certainly yielded a few coins, but in Himachal's ever-changing election season, no one is anyone's ally. The day governments see the loyalty of employees in Pangi, Kinnaur, or Shillai, far from the court of Shimla, the standard of good governance will change. The day politics ceases to merely reflect public desire, social concerns will shift. The day political leaders cease to consider themselves mere personnel transfer machines, the public's democratic expression will change. The day governments understand that the private sector has a population of approximately 250,000 employees, traders, entrepreneurs, and self-employed individuals, far outnumbering the approximately 450,000 public sector pensioners, the entire system will change. If governments ever formulate policies in accordance with the desires of the private sector, the constraints of power will be removed.

Bhagwat's 'DNA' Message

The address delivered by Sarsanghchalak Mohan Bhagwat in New York (USA) is merely a reiteration of his thoughts, but the message is delivered from American soil, making it resonate globally. Muslim religious leaders, American thinkers, and advocates of open-mindedness have praised the address. They have hailed it as both welcome and challenging. The RSS is celebrating 100 years of its founding, and therefore, the Sarsanghchalak is on a tour of the US, Canada, and the UK. However, the group in India that has consistently engaged in anti-RSS politics, blaming the RSS for every evil and controversy, is digging up old pages and accusing the Sarsanghchalak of contradictions, discrepancies between words and actions, and violations of his ideals in his own homeland. They are calling the address "ideological duplicity" by the RSS chief. This is a common trend. Such freedom of expression is guaranteed to him by the country's Constitution. In fact, the gist of Sarsanghchalak Mohan Bhagwat's address in America is that Hindus and Muslims share the same DNA. Unity and diversity are our DNA.

If a Hindu believes that Muslims should not be present in the country, they cease to be Hindus. Hindutva does not mean expelling Muslims from the country. This is Bhagwat's vision of a "Hindu nation." Unity in diversity is our nationalism, cultural integration. The goal of religion is to lead to truth. All paths lead to the same God. There are many religions, but there is only one truth. Humanity is the most valuable.

This is not the first time the Sarsanghchalak has given such an address. This may be the first address on foreign soil! However, Mohan Bhagwat has been consistently conveying this message since 2018. He also made an important statement to stop looking for a Shiva temple under every mosque.

This had a powerful impact, and such communal maneuvers have significantly reduced. "Kashi and Mathura" are eternal issues for the Sangh Parivar and the BJP, and it has been said that whatever the court's decision will be accepted. Indeed, Sarsanghchalak Bhagwat is absolutely clear in his thinking and ideology, envisioning a nation of Hindu-Muslim unity. But the crucial question is, whom has the RSS chief been addressing? Former RSS pracharak and now Prime Minister Modi himself has been attacking Muslims with public comments like "identifying by clothes," "those with beards and caps," "those who have more children," and "those who snatch your mangalsutra." There is a significant faction within the BJP that is publicly anti-Muslim, vehemently opposed. During the Kanwar Yatra, Muslims are forced to conceal their identities. Unnecessary, unauthorized raids are conducted on their shops, carts, and dhabas.

Even the Supreme Court has ruled against these actions. The National Register of Citizens (NRC) campaign was launched in Assam, but preliminary investigations found that "Hindus" or "Bengali Hindus" were the majority. The campaign was put on hold. Union Home Minister Amit Shah is still intent on the NRC campaign. Although there has been a "deep silence," especially within the BJP, following the RSS chief's address, there is a plethora of figures, including Union Minister Giriraj Singh and MP Nishikant Dubey, who continue to threaten Muslims with going to Pakistan, often on trivial issues and controversies. Those who wanted to go to Pakistan have gone. 80 long years have passed, generations have changed, and now Muslims are also Indians. If Hindu-Muslim rhetoric and hatred continue, how will unity, the DNA of oneness, or cultural integration be possible in the country? Opponents should also change their prejudiced mindsets. Mahatma Gandhi's assassin, Nathuram Godse, had no connection to the RSS. The so-called spokespersons of the Congress and Samajwadi Party (SP) shout this accusation daily in TV debates. The second Sarsanghchalak, Guru Golwalkar's book, "Bunch of Thoughts," was published in February 1966. It is not the country's constitution or a sacred scripture. It is a compilation of Guruji's speeches, articles, essays, and dialogues. We claim that the opponents have not even read this book in its entirety. It is not even relevant today. If it continues to be mentioned daily, the gap will only deepen.

Hazard monitoring systems are fragmented.

There is a dire need for an integrated monitoring system for natural disasters like landslides and avalanches in the Himalayas.

An integrated monitoring system is essential for Himalayan disasters. The current monitoring system is fragmented, lacking early warning.

Skilled teams, drones, and 24/7 monitoring are urgently needed. We must understand that the Himalayas are composed of glaciers, rocks, and soil. In a way, they are very fragile. They heat up during the day and cool down at night, causing cracks. Secondly, water often creates paths in the mountains, destabilizing them.

Earthquakes also affect mountains. Furthermore, climate change also causes avalanches. The key is that any landslide, avalanche, or glacier breaking off requires a trigger. An earthquake can be a trigger, as can rainfall. The earthquake triggered the avalanche in Tibet, and the rainfall was already occurring, creating hydraulic pressure.

This caused a large section of rock to slide down, bringing a large amount of snow with it. The resulting flash flood had very little time. Landslides, earthquakes, avalanches, and glacier bursts are all mountain hazards. Now, when it comes to monitoring, there are several organizations in India that monitor lakes. Many lakes have been classified as dangerous. But the question is whether these lakes are being monitored continuously.

There's talk of satellite monitoring, but to date, no estimates have been received. Satellite images are used to conduct post-mortems after an incident. The question is, if satellite images were available before, why didn't you mention them earlier? Floods in the country are monitored by one organization, avalanches by another. Earthquakes are monitored by meteorology.

Thus, our monitoring system is very fragmented. A unified system is needed for monitoring, with a team of people working on the ground and experienced in such work. This work needs to be done 24x7, 365 days a week. India currently lacks the necessary infrastructure and skilled teams. Monitoring the entire area requires drones that can send live feeds, and teams can analyze them. Even then, there's only a 30-minute window for an alert.

However, this isn't a short time, and if people had been alerted 30 minutes in advance in the case of the Nepal floods, many lives could have been saved. Most people working in the field of natural disasters are researchers. We need operational people who work with passion. Only then will we be able to build a strong and effective monitoring system in the country.

Lessons must be learned from the Nepal floods.

The National Disaster Management Authority (NDMA) is installing early warning systems in the Himalayan glacier lakes, but the inaccessible terrain and accuracy are challenges. The NDMA is installing warning systems for glacier lakes in the Himalayas.

The accuracy of early warning systems in the Himalayan region is a challenge. Learning from Nepal and Kedarnath, safe construction is essential. The National Disaster Management Authority (NDMA) is working with states to install early warning systems in the Himalayan glacier lakes. We have also submitted some projects in the Uttarakhand region. As far as I know, there is no effective early warning system for glacier bursts anywhere in Asian countries. Their accuracy is also low. This is a difficult task. You can predict a tsunami if an earthquake occurs. Secondly, the Himalayas are a very difficult region. It is not possible to reach every place. There are 10,000 glaciers within the Himalayas. The Himalayas themselves are a very complex system, difficult to understand. Now the question is where should we install the early warning system. A very good example is the Kedarnath flood in Uttarakhand. When you focused on the Kedarnath valley and surrounding areas, the Rishiganga River suddenly flooded, even during the winter season. This was unexpected. Then came the Dharali incident, followed by the Tamak one.

Early warning systems are effective when you know they will hit this area, so install them there. It's also a question of where to install them in the valley, as thousands of small channels are active within the ghats. You don't know where they will break, so how can you do it? The question isn't how effective our monitoring system is, but how do we raise awareness. We need to educate people about where to build homes and infrastructure in mountainous areas. The Nepal floods teach us where to locate settlements. We're building multi-story buildings right on the riverbanks. We should always build homes outside the floodplain. Even the Kedarnath tragedy taught us where to build infrastructure. You have to remember that sooner or later, flood zones will take over. If you look at people in the past, they always built their homes high up on the mountain, not low down.

They didn't sit on river banks. Now, in this new civilization, with homestays and all that, they're building anywhere. No state has a disaster policy that defines where to build a house and where not to. So, people are paying the price, and if lessons aren't learned, they will continue to pay the price.

मुरादाबाद में सड़क हादसा, खड़ी रोडवेज बस से टकराई श्रद्धालुओं की निजी बस, नेपाल के 31 यात्री घायल

मुरादाबाद में हरिद्वार से अयोध्या जा रही नेपाली श्रद्धालुओं की बस सड़क किनारे खड़ी रोडवेज बस से टकरा गई। इस हादसे में 31 से अधिक नेपाली यात्री घायल हो गए, जिनमें से 10 को जिला अस्पताल रेफर किया गया है।नेपाली श्रद्धालुओं की बस रोडवेज बस से टकराकर क्षतिग्रस्त हुई। हादसे में 31 से अधिक नेपाली यात्री घायल हुए।

10 गंभीर घायलों को जिला अस्पताल रेफर किया गया।हरिद्वार से अयोध्या जा रही नेपाली यात्रियों से भरी निजी बस सड़क किनारे खड़ी मुरादाबाद डिपो की रोडवेज बस से जा टकरा गई। मुरादाबाद-हरिद्वार मार्ग पर कांठ में मंगलवार रात करीब 10 बजे हुए हादसे में बस में सवार 31 से अधिक नेपाली श्रद्धालु यात्री घायल हो गए। घायलों को कांठ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। जहां से 10 यात्रियों को उपचार के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। बस में सवार यात्री अब तक प्रयागराज, मथुरा, उज्जैन में दर्शन कर चुके थे। नेपाल के 60 श्रद्धालु 15 दिन पहले भारत आए थे। इन्होंने महराजगंज से बस देश के मंदिरों के दर्शन करने के लिए 15 दिन पहले बुक की थी।उज्जैन में महाकाल के दर्शन के बाद सभी श्रद्धालु दो दिन पहले हरिद्वार आ गए थे। यहां पर गंगा स्नान किया और मंगलवार को अयोध्या जा रहे थे। रात करीब 10 बजे श्रद्धालु की बस कांठ के गढ़ी के पास पहुंची, वहां सड़क किनारे खड़ी रोडवेज बस में पीछे से टक्कर लग गई।टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बसें बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। कांठ की सीओ सुनीता दहिया ने बताया कि घायलों के नाम-पते की विस्तृत जानकारी ली जा रही है।

15 लाख की 3 किलो अफीम के साथ 6 तस्कर गिरफ्तार, स्कॉर्पियो कार और हथियार बरामद

थाना भोट पुलिस ने की कार्रवाई, एक स्कॉर्पियो गाड़ी भी बरामद

रामपुर की भोट पुलिस और एसओजी ने 15 लाख रुपये कीमत की 3 किलो अफीम के साथ 6 तस्करों को गिरफ्तार किया है। मौके से एक स्कॉर्पियो भी बरामद हुई है।थाना भोट पुलिस व एसओजी रामपुर की संयुक्त टीम ने करीब 15 लाख की कीमत की तीन किग्रा. अफीम के साथ छह आरोपियों को दबोचा है। पुलिस टीम ने उन्हें एक स्कॉर्पियो गाड़ी से गिरफ्तार किया है। गाड़ी का इस्तेमाल अफीम को सप्लाई में करते थे।

थाना भोट पुलिस व एसओजी टीम ने गगनदीप सिंह निवासी विसारत नगर कस्बा थाना बिलासपुर रामपुर, सर्वजीत सिंह निवासी बिलासपुर, किशनदीप सिंह निवासी ग्राम खूटांखेडा थाना भोट रामपुर, प्रभजोत सिंह निवासी मोहल्ला शांति कॉलोनी प्रीत विहार रुद्रपुर उधमसिंह नगर, दीपक शर्मा निवासी शिवनगर थाना कैम्प रुद्रपुर उधमसिंह नगर व वैभव कुमार निवासी ग्राम नगलिया खुर्द थाना बिलासपुर रामपुर को लाला वाला बाग मार्ग नई कॉलोनी की तरफ जाने वाले तिराहे से गिरफ्तार किया है।इनके कब्जे से 3 किग्रा. अफीम बरामद की, इसकी अनुमानित कीमत करीब 15 लाख रुपये है।

इसके अलावा 9,670 रुपये नगद, एक तमंचा 315 बोर, 2 जिंदा कारतूस व 6 मोबाइल फोन बरामद किए हैं, जबकि स्कॉर्पियो गाडी सीज की गई है। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना भोट पर एनडीपीएस एक्ट व आर्म्स एक्ट में मुकदमा पंजीकृत किया गया है। आरोपी गगनदीप सिंह पर पहले भी बिलासपुर थाने में दो मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तार करने वाली टीम में उपनिरीक्षक मुकेश कुमार थाना भोट, उप निरीक्षक दीपक मलिक एसओजी प्रभारी, उपनिरीक्षक सुनील कुमार थाना भोट, निरीक्षक कार्तिक सहरावत थाना भोट सहित थाना भोट व एसओजी के पुलिसकर्मी शामिल रहे।

कक्षा नौवीं और 11वीं के अग्रिम पंजीकरण की तारीख बढ़ी

रामपुर। माध्यमिक शिक्षा परिषद की ओर से सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 9वीं और 11वीं के छात्र-छात्राओं के अग्रिम पंजीकरण की तिथियों में विस्तार किया गया है। अब विद्यालय 10 सितंबर तक 50 रुपये प्रति छात्र शुल्क जमा कर विद्यार्थियों का विवरण बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर सकेंगे। 30 सितंबर तक डीआईओएस कार्यालय में नामावली जमा करनी होगी। जिला विद्यालय निरीक्षक अंजलि अग्रवाल ने जनपद के सभी विद्यालयों को शासन के आदेश का सख्ती से अनुपालन करने के निर्देश दिए हैं। जिला विद्यालय निरीक्षक अंजलि अग्रवाल की ओर से जिले के सभी प्रधानाचार्यों को जारी आदेश में कहा गया है कि बोर्ड द्वारा निर्धारित समय-सारणी के अनुसार विद्यालय 10 सितंबर तक चालान के माध्यम से निर्धारित पंजीकरण शुल्क जमा कर विद्यार्थियों के विवरण बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर सकेंगे।उन्होंने जिले के सभी राजकीय, अशासकीय सहायता प्राप्त (एडेड) और वित्त विहीन मान्यता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सभी औपचारिकताएं समय रहते पूरी की जाएं।उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसी विद्यालय का कोई छात्र या छात्रा पंजीकरण से वंचित रह जाता है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित विद्यालय के प्रधानाचार्य की होगी

खजुरिया कलां गांव में तीन वर्षीय मासूम में जापानी बुखार की पुष्टि

स्वास्थ्य विभाग अलर्ट, परिवार के 8 सदस्यों की सैंपलिंग

बिलासपुर के खजुरिया कलां गांव में एक 3 वर्षीय मासूम में जापानी बुखार की पुष्टि हुई है। स्वास्थ्य विभाग ने अलर्ट जारी कर दिया है। बिलासपुर क्षेत्र के गांव खजुरिया कलां में तीन वर्षीय मासूम को जापानी बुखार (जापानी इंसेफेलाइटिस) ने अपनी चपेट में ले लिया। जांच में जापानी बुखार की पुष्टि होने के बाद स्वास्थ्य विभाग में खलबली मच गई है। वहीं विभाग ने परिवार के आठ सदस्यों की सैंपलिंग की। साथ ही संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए पूरे प्रभावित क्षेत्र व मकान को सैनिटाइज कराया गया है। खजुरिया कलां गांव निवासी नाहिद खां पेशे से ट्रक ड्राइवर हैं। उनके तीन वर्षीय पुत्र अबुजर को पिछले एक सप्ताह से लगातार तेज बुखार आ रहा था। परिजन ने पहले उसका स्थानीय स्तर पर उपचार कराया, लेकिन हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। बच्चे की बिगड़ती स्थिति को देखते हुए उसे 29 अगस्त को उत्तराखंड के हल्द्वानी स्थित सुशीला तिवारी अस्पताल ले गए। वहां मासूम को भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने मासूम के खून समेत अन्य सैंपल की जांच करवाई। जिसमें मासूम जापानी बुखार के वायरस से पीड़ित निकलने पर अस्पताल में खलबली मच गई। फिलहाल बच्चे का इलाज आईसीयू में चल रहा है और उसकी हालत पर नजर रखी जा रही है। बाद में अस्पताल प्रशासन ने संवेदनशीलता दिखाते हुए रामपुर जनपद के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. दीपा सिंह को एक पत्र भेजकर अवगत कराया। वहीं रामपुर मुख्यालय से निर्देश मिलते ही स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र की टीम दवाओं और सैंपलिंग किट के साथ खजुरिया कलां गांव पहुंची। टीम ने पीड़ित मासूम अबुजर के माता-पिता और भाई-बहनों समेत परिवार के कुल आठ सदस्यों के ब्लड सैंपल लिए हैं, जिन्हें जांच के लिए लैब भेजा गया है। बीमारी की गंभीरता को देखते हुए स्वास्थ्य और मलेरिया विभाग की संयुक्त टीम ने पीड़ित के पूरे मकान को अच्छी तरह सैनिटाइज किया है। साथ ही नालियों में जलभराव वाले स्थानों पर एंटी-लार्वा दवाओं का छिड़काव और फॉगिंग कराई गई।चिकित्सकों के अनुसार जापानी बुखार क्यूलेक्स प्रजाति के मच्छरों के काटने से फैलता है और यह सीधे इंसान के केंद्रीय तंत्रिका तंत्र यानी दिमाग पर हमला करता है। विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है, कि वे घरों के आसपास पानी जमा न होने दें। सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें और बच्चों को पूरी आस्तीन के कपड़े पहनाएं। यदि किसी भी बच्चे को तेज बुखार के साथ झटके आने या बेहोशी के लक्षण दिखें तो बिना देरी किए नजदीकी सरकारी अस्पताल से संपर्क करें। मासूम को नानी के घर आया तेज बुखार- पिता ने बताया कि अबुजर 18 अगस्त को बरेली जनपद के मीरगंज स्थित अपनी नानी के घर गया था। जहां उसे अचानक तेज बुखार ने जकड़ लिया। तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे वापस घर ले आए और स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया। बताया कि अस्पताल में एक सप्ताह तक बच्चे का इलाज चला। राहत न मिलने पर चिकित्सक की सलाह पर उसे तुरंत उत्तराखंड के हल्द्वानी स्थित सुशीला तिवारी अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद बच्चे को जापानी बुखार की पुष्टि हुई। वहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में मासूम का उपचार जारी है।

पहली पत्नी को तलाक दिए बिना की दूसरी शादी, थाने में भिड़ीं दोनों पत्नियां, 8 हिरासत में

♦ स्वार थाना पुलिस ने दोनों पक्षों की तीन महिलाओं समेत आठ लोगों को हिरासत में लेकर शांति भंग की कार्रवाई की

रामपुर की स्वार कोतवाली में मंगलवार को एक पति की दो पत्नियों के बीच जमकर हंगामा हुआ। बिना तलाक दूसरी शादी के इस मामले में पुलिस ने 8 लोगों का चालान किया है।

बाजपुर क्षेत्र के युवक द्वारा पहली पत्नी को तलाक दिए बिना दूसरी शादी करने का मामला मंगलवार को स्वार कोतवाली में पहुंच गया। पुलिस दोनों पक्षों को समझौते के लिए कोतवाली लेकर आई, लेकिन मामला सुलझने के बजाय दोनों पत्नियां आपस में भिड़ गईं। पुलिस की मौजूदगी में काफी देर तक गाली गलौज और हंगामा होता रहा। बाद में पुलिस ने महिलाओं को समझाकर मामला शांत कराया और दोनों पक्षों की तीन महिलाओं समेत आठ लोगों को हिरासत में लेकर शांति भंग की कार्रवाई की है।

उत्तराखंड के बाजपुर थाना क्षेत्र के मोहल्ला संजय नगर निवासी गुलाम हुसैन ने करीब नौ वर्ष पूर्व अपनी बेटी शहनाज की शादी बाजपुर के गांव मुंडिया निवासी इरफान के साथ की थी। दंपती के दो बच्चे हैं। कुछ समय बाद पति पत्नी के बीच विवाद हो गया

और मामला फैमिली कोर्ट पहुंच गया, जो अभी विचाराधीन है। इरफान ने पहली पत्नी को तलाक दिए बिना करीब एक वर्ष पूर्व स्वार कोतवाली क्षेत्र के गांव खौदकलां निवासी शवीना से दूसरी शादी कर ली। इसके बाद दोनों पक्षों में विवाद बढ़ गया और मामला स्वार कोतवाली पहुंचा।मंगलवार को पुलिस ने इरफान और उसकी दोनों पत्नियों को कोतवाली बुलाकर मामले को समझौते से सुलझाने का प्रयास किया। बताया गया कि दोनों महिलाओं ने तलाक देने से साफ इनकार कर दिया। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई और देखते ही देखते दोनों पक्षों ने कोतवाली परिसर में ही हंगामा शुरू कर दिया। पुलिसकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद दोनों महिलाओं को समझाकर शांत कराया। इसके बाद मामला शांत हो सका। पुलिस ने एक पक्ष के इरफान अली, शाकिर, शहनाज, एक अन्य और दूसरे पक्ष के दानिश, मुस्ताक, शबीना, बिस्मिल्लाह को हिरासत में लेकर शांति भंग में चालान किया है।

संक्षिप्त समाचार

कैबिनेट से मंजूरी को चार साल बीते, धरातल पर नहीं उतरा मेडिकल कॉलेज

500 बेड के मेडिकल कॉलेज को 2 सितंबर 2021 में कैबिनेट से मिल चुकी है मंजूरी

यूपी कैबिनेट से मंजूरी मिलने के 4 साल बाद भी रामपुर में 500 बेड का मेडिकल कॉलेज शुरू नहीं हो सका है। व्यापारी

नेताओं ने डिप्टी सीएम बृजेश पाठक से मुलाकात कर इसे जल्द शुरू कराने की मांग की है। उप्र कैबिनेट से मंजूरी को चार साल बीतने के बावजूद रामपुर मेडिकल कॉलेज धरातल पर नहीं उतरा है। 500 बेड के मेडिकल कॉलेज को 2 सितंबर 2021 को उप्र कैबिनेट से मंजूरी मिल चुकी है। बुधवार आज दो सितंबर को कैबिनेट मंजूरी को पूरे चार साल हो गए हैं। (पीपीपी मॉडल) पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के आधार पर कैबिनेट में प्रस्ताव पास हुआ था। मंगलवार को उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप सोनी के नेतृत्व में व्यापारी नेता उप्र उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक से मिले और मामले में ज्ञापन सौंपा। स्वास्थ्य मंत्री ने 2027 में मेडिकल कॉलेज शुरू कराए जाने का आश्वासन दिया है। संदीप सोनी ने बताया कि उन्होंने जिलाधिकारी रामपुर को भी मामले में निर्देश जारी किए हैं। जिससे उम्मीद जगी है। योजना के तहत जिला अस्पताल परिसर को उच्चीकृत करके 500 बेड का अस्पताल और ओपीडी शुरू की जानी है। प्रस्ताव मंजूर होने के बाद भी निवेशकों या निवेशकों की रुचि न होने के कारण यह प्रोजेक्ट लंबे समय से अटका हुआ है, जिसे लेकर उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष समेत संगठन के पदाधिकारी लगातार मांग उठा रहे हैं। पूर्व सांसद घनश्याम सिंह लोधी ने भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर मेडिकल कालेज खुलवाने का अनुरोध किया था। पीपीपी मॉडल पब्लिक, प्राइवेट पार्टनरशिप पर मेडिकल कॉलेज के संबंध में चिकित्सा शिक्षा अनुभाग के विशेष सचिव दुर्गा प्रसाद नागपाल ने पूर्व सांसद पत्र लिखकर रामपुर में मेडिकल कॉलेज खोले जाने की जानकारी दी थी।

रामपुर तहसील के राजस्व ग्राम अलीनगर बेनजीर व जगतपुर की गाटा संख्या 481 व गाटा संख्या-122क कुल रकबा 2.025 हेक्टेयर भूमि मेडिकल कॉलेज के नाम में दर्ज भी है। भूमि हस्तांतरित की समस्या दूर करने की मांग - व्यापारियों ने मेडिकल कॉलेज में आ रही भूमि हस्तांतरण की समस्या को दूर करने की मांग की है। उप मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया है कि शीघ्र ही भूमि हस्तांतरण की कार्रवाई भी करा दी जाएगी। व्यापारियों ने बताया कि पीपीपी मॉडल पर प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज के लिए 100 बीघा भूमि ग्राम जगतपुर व ग्राम बेनजीर की अधिग्रहण की गई है। मेडिकल कॉलेज स्वीकृत हो चुका है लेकिन भूमि अधिग्रहण कार्यवाही पूर्ण न होने से मेडिकल कॉलेज पूर्ण रूप से शुरू नहीं हो पा रहा है। मेडिकल कॉलेज शुरू न होने से जिले में समस्त व्यापारी व आम जनता परेशान है। जिला अस्पताल से मरीजों को मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, दिल्ली के लिए रेफर कर दिया जाता है। भूमि हस्तांतरण में देरी का खामियाजा जिले की जनता भुगत रही है। जबकि व्यापार मंडल द्वारा लंबे प्रयास के बाद स्वीकृत कराई गई एमआरआई मशीन जिला अस्पताल में धूल फांक रही है क्योंकि उसको चलाने वाला कोई नहीं है। जिला अस्पताल में हार्ट, लिवर, किडनी, न्यूरो, आंख नाक कान गला, जनरल फिजिशियन आदि डॉक्टरों की कमी है जिसके कारण मरीजों को परेशानी हो रही है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

ईवीएम वेयरहाउस की सुरक्षा में जरा भी चूक बर्दाश्त नहीं

डीएम अविनाश सिंह ने परसाखेड़ा में किया निरीक्षण, सीसीटीवी 24 घंटे चालू रखने के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश सिंह ने बुधवार को परसाखेड़ा स्थित ईवीएम वेयरहाउस का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई, विद्युत आपूर्ति सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि ईवीएम वेयरहाउस में सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चाक-चौबंद रखी जाए और सीसीटीवी कैमरे प्रत्येक दशा में निरंतर संचालित रहें। उन्होंने कहा कि ईवीएम की सुरक्षा बेहद महत्वपूर्ण है, इसलिए किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को वेयरहाउस के रखरखाव एवं सुरक्षा से जुड़े सभी कार्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों और निर्धारित मानकों के अनुरूप कराने तथा व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। किसी भी कमी को तत्काल दूर करने को कहा गया। इस अवसर पर ईवीएम प्रभारी/बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी पवन कुमार सिंह सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रेमनगर पुलिस ने दहेज में स्कॉर्पियो की मांग, व दुष्कर्म के आरोपी वांछित जेठ को किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। थाना प्रेमनगर पुलिस ने दहेज मांग, मारपीट, गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी और दुष्कर्म के आरोप से जुड़े मुकदमे में वांछित अभियुक्त उमंग मिश्रा उर्फ आशुतोष को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक आरोपी को एक सितंबर की रात करीब 11:30 बजे उसके मकान के बाहर गली से दबोचा गया।

पुलिस के अनुसार, 26 जुलाई को पीड़िता ने थाना प्रेमनगर में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि ससुराल पक्ष के लोग दहेज में स्कॉर्पियो गाड़ी की मांग को लेकर उसका मानसिक एवं शारीरिक उत्पीड़न करते थे। मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने के साथ ही पीड़िता ने अपने जेठ उमंग मिश्रा पर कमरे में घुसकर दुष्कर्म करने का आरोप भी लगाया था। तहरीर के आधार पर थाना प्रेमनगर में मुकदमा संख्या 319/2026 के तहत धारा 85, 115(2), 352, 351(3), 64 बीएनएस एवं 3/4 डीपी एक्ट में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। वांछित आरोपी की तलाश में पुलिस टीम ने उसके संभावित ठिकाने पर दबिश दी और पहचान की पुष्टि के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी उमंग मिश्रा उर्फ आशुतोष पुत्र मधुकर मिश्रा, निवासी प्रोफेसर कॉलोनी, थाना कोतवाली, बदायूं, उम्र 31 वर्ष है। पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्रवाई के बाद आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किए जाने की बात कही है। पूछताछ में आरोपी ने मुकदमे को पारिवारिक विवाद से जुड़ा बताते हुए न्यायालय में अधिवक्ता के माध्यम से अपना पक्ष रखने की बात कही। पुलिस टीम: प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्र कुमार, उपनिरीक्षक सुधीर कुमार, कांस्टेबल सचिन, आशीष मान एवं अनित शामिल रहे।

भारतीय किसान संघ 16 सितंबर को कलेक्ट्रेट पर करेगा विशाल धरना-प्रदर्शन

मुरादाबाद क्यूँ न लिखूँ सच। भारतीय किसान संघ की मासिक बैठक में किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर आगामी 16 सितंबर को मुरादाबाद कलेक्ट्रेट पर विशाल धरना-प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया। बैठक में तय हुआ कि जनपद भर से बड़ी संख्या में किसान और संगठन के कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी को किसानों की समस्याओं से अवगत कराएंगे तथा ज्ञापन सौंपेंगे।मुरादाबाद के बुद्धि विहार स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कार्यालय विजय निकेतन में आयोजित बैठक में भारतीय किसान संघ के प्रदेश संगठन मंत्री शिवकांत दीक्षित मुख्य अतिथि एवं वक्ता रहे, जबकि प्रांत उपाध्यक्ष नरेंद्र चौधरी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष चौधरी ओमवीर सिंह ने की।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण तथा भारत माता एवं भगवान बलराम के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। बैठक में किसानों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रदेश संगठन मंत्री शिवकांत दीक्षित ने कहा कि सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ सभी किसानों तक प्रभावी रूप से पहुंचना आवश्यक है। इस दौरान विद्युत आपूर्ति, नलकूपों की समस्याएं, निराश्रित गोवंश, जैविक खेती तथा किसान क्रेडिट कार्ड पर ब्याज सहित अन्य मुद्दों पर पदाधिकारियों और किसानों ने अपने विचार रखे।बैठक में ठाकुरद्वारा क्षेत्र में बीते दिनों बाघ के हमले में जान गंवाने वाले किसानों को श्रद्धांजलि देते हुए उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की गई। किसानों की समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर सर्वसम्मति से 16 सितंबर 2026 को मुरादाबाद कलेक्ट्रेट पर विशाल धरना-प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया। संगठन पदाधिकारियों ने कहा कि धरना-प्रदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से हजारों किसान शामिल होंगे।बैठक में विभाग संगठन मंत्री रमेश चंद्र, प्रांत प्रचार प्रमुख तेजभान सिंह राघव, जिला कोषाध्यक्ष हेमचंद्र, जिला उपाध्यक्ष ऋषिपाल सिंह, दीपक चौधरी, शिवराज राठी, जिला प्रचार प्रमुख पवन कोहली, जिला युवा प्रमुख आकांश चौधरी, जिला जैविक प्रमुख, जिला गन्ना प्रमुख, डिलारी ब्लॉक अध्यक्ष उमेश यादव, छजलैट ब्लॉक अध्यक्ष, बिलारी ब्लॉक अध्यक्ष कुलदीप चौधरी, मुंडापांडे ब्लॉक अध्यक्ष, बिलारी ब्लॉक प्रचार प्रमुख विजय तथा राजपाल सिंह यादव सहित बड़ी संख्या में भारतीय किसान संघ के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

IGRS रैंकिंग में बरेली परिक्षेत्र यूपी में नंबर-1

68 थानों ने भी संयुक्त रूप से हासिल किया प्रथम स्थान, उत्कृष्ट कर्मियों को मिलेगा पुरस्कार

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। शासन की जनसुनवाई समाधान प्रणाली (IGRS) के तहत जनशिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण में पुलिस उपमहानिरीक्षक अजय कुमार साहनी के निर्देशन में बरेली परिक्षेत्र ने अगस्त -2026 की शासन स्तरीय रैंकिंग में उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया है। बदायूं व शाहजहांपुर जनपद भी संयुक्त रूप से प्रथम रहे। परिक्षेत्र के 68 थानों ने भी संयुक्त रूप से प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया। इनमें बरेली के 24 थाने-सुभाषनगर, फतेहगंज पश्चिमी, किला, सीबीगंज, विशारतगंज, शाही, बारादरी, इज्जतनगर, देवरनियां, क्योलड़िया, भुता, हाफिजगंज, भोजीपुरा, बहेड़ी, मीरगंज, नवाबगंज, आंवला, भमोरा, शीशगढ़, प्रेमनगर, सिरौली, बिथरी चैनपुर, कैंट व फतेहगंज पूर्वी शामिल हैं। बदायूं के 15 थाने-कुंवरगांव, महिला थाना, बिनावर, जरीफनगर, फैजगंज बेहटा, इस्लामनगर, वजीरगंज, मुजरिया, बिसौली, उझानी, कादरचौक, उसहैत, मूसाझाग, हजरतपुर व कोतवाली तथा पीलीभीत के 10 थाने-महिला थाना, माधौटांडा, बरखेड़ा, हजारा, जहानाबाद, सेहरामऊ उत्तरी, दियोरिया कलां, बीसलपुर, अमरिया व बिलसंडा भी प्रथम रहे। शाहजहांपुर के 19 थाने-महिला थाना, रामचंद्र मिशन, खुटार, सिंधौली, कोतवाली, परौर, बंडा, जलालाबाद, कलान, अल्हागंज, सेहरामऊ दक्षिणी, रोजा, मिर्जापुर, सदर बाजार, गढ़िया रंगीन, जैतीपुर, तिलहर, कटरा व खुदागंज ने भी संयुक्त रूप से प्रथम स्थान हासिल किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन पर द्वतक्र्स कर्मी उ0नि0 शालू, कम्प्यूटर ऑपरेटर अमरेन्द्र कुमार व आरक्षी सलिल सक्सेना को नगद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। वहीं, खराब प्रदर्शन वाले जनपदों व थानों के कार्यों की समीक्षा की जाएगी।

कॉमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस का नवीनीकरण बंद, आरटीओ के चक्कर काट रहे चालक

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। कॉमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस के नवीनीकरण की प्रक्रिया बंद होने से चालक परेशान हैं। वे रोजाना संबंधित कार्यालय के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन उन्हें निराश होकर लौटना पड़ रहा है। अधिकारियों ने जल्द ही समस्या के समाधान का आश्वासन दिया है। आरटीओ कार्यालय में कॉमर्शियल वाहनों के ड्राइविंग लाइसेंस के नवीनीकरण का काम करीब एक सप्ताह से ठप है। अधिकारियों के अनुसार नई व्यवस्था के तहत हैवी कॉमर्शियल वाहनों के ड्राइविंग लाइसेंस नवीनीकरण के लिए फार्म-5 ए यानी इंधन बचत संबंधी ड्राइविंग ट्रेनिंग का प्रमाणपत्र अनिवार्य किया गया है। इसके चलते आरटीओ कार्यालय में नवीनीकरण का काम प्रभावित है। हालांकि आरोप है कि कुछ बाहरी लोग अतिरिक्त रुपये, ऑनलाइन आवेदन और ऑटो अप्रुवल के जरिए कॉमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस का नवीनीकरण कर रहे है। परिवहन विभाग के आरआई टेक्निकल हारुन सैफी ने बताया कि कॉमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस का नवीनीकरण का काम कार्यालय में बंद हैं। बाहरी लोगों द्वारा काम करने की शिकायत आई है। इस तरह जो भी कॉमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस का नवीनीकरण हुआ है उनकी जांच कराई जाएगी।

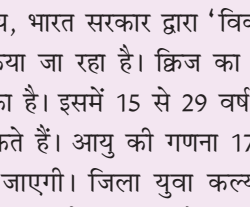

आंवला में पटाखा भंडारण स्थलों पर प्रशासन की छापेमारी जैसी जांच, सुरक्षा मानकों की पड़ताल

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली, आंवला । कौशांबी जनपद के महमूदपुर गांव स्थित पटाखा फैक्ट्री में आग लगने की घटना के बाद बरेली जिले में भी पटाखा भंडारण, निर्माण और बिक्री से जुड़े प्रतिष्ठानों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। जिलाधिकारी के निर्देश पर बुधवार को आंवला कस्बे में पटाखा भंडारण स्थलों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान लाइसेंसधारी की मौजूदगी में आंवला एसडीएम सुशील मिश्रा, क्षेत्राधिकारी आंवला (सीओ) और अग्निशमन अधिकारी (एफएसओ) ने सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान पटाखों के भंडारण की क्षमता, अग्निशमन व्यवस्था, अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता, आपातकालीन निकास और अन्य निर्धारित सुरक्षा मानकों की जांच की गई। अधिकारियों ने लाइसेंस और भंडारण से संबंधित अभिलेखों का भी परीक्षण किया। अपर जिलाधिकारी (नगर) डॉ. अविनाश त्रिपाठी ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देशानुसार जिले के सभी उपजिलाधिकारी और संबंधित क्षेत्र के पुलिस उपाधीक्षक संयुक्त रूप से आगामी तीन दिनों के भीतर लाइसेंसधारी पटाखा भंडारण, निर्माण एवं विक्रय प्रतिष्ठानों का निरीक्षण करेंगे।

रानी प्रीतम कुंवर स्कूल में धूमधाम से मनाया गया जन्माष्टमी महोत्सव

बिलारी । नीलबाग सहसपुर स्थित रानी प्रीतम कुंवर स्कूल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव हर्षोल्लास एवं श्रद्धाभाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नर्सरी, एलकेजी एवं यूकेजी के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने राधा-कृष्ण का मनमोहक रूप धारण कर आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। रंग-बिरंगी वेशभूषा में सजे बच्चों ने श्रीकृष्ण के भजनों पर मनोहारी नृत्य एवं गीत प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों से विद्यालय परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया और उपस्थित लोगों ने तालियां बजाकर उनका उत्साहवर्धन किया। विद्यालय के प्राचार्य रंजीत ईश्वर ने बच्चों के उत्साह एवं प्रतिभा की सराहना करते हुए उन्हें भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों से प्रेरणा लेकर सत्य, प्रेम, कर्म और सदाचार के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में नर्सरी से यूकेजी तक की सभी शिक्षिकाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अमित सर सहित विद्यालय के समस्त स्टाफ ने आयोजन को सफल बनाने में पूर्ण सहयोग प्रदान किया। अंत में विद्यालय परिवार की ओर से सभी विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम का समापन हर्षोल्लास एवं भक्तिमय वातावरण में हुआ।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

मंडल कार्यसमिति सत्यापन को लेकर भाजपा की बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। विधानसभा मीरगंज में मंडल कार्यसमिति सत्यापन एवं प्रवास योजना के तहत बुधवार को मंडल फतेहगंज पश्चिमी की बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष कैलाश शर्मा ने की। बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष सोमपाल शर्मा, विधायक डॉ. डीसी वर्मा, मंडल प्रभारी एवं जिला उपाध्यक्ष राहुल साहू, जिला मंत्री संजय चौहान तथा जिला मंत्री श्रीमती मंजू कोरी ने पदाधिकारियों को संबोधित किया। इस दौरान मंडल कार्यसमिति, शक्ति केंद्र संयोजकों एवं बूथ समितियों के भौतिक सत्यापन को लेकर चर्चा की गई। साथ ही संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने के लिए पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों को जमीनी स्तर तक मजबूत करने और आगामी कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर भी विचार-विमर्श हुआ।

ऑल इंडिया टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश टीम चयनित

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी।टेनिस बॉल क्रिकेट फेडरेशन ऑफ टेनिस बॉल इंडिया व गोवा क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा 7 सितंबर से 9 सितंबर तक ऑल इंडिया इंटर ज़ोनल टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन गोवा के मडगांव शहर में किया जा रहा है। जिसमें पश्चिमी उत्तर प्रदेश की टीम भी भाग लेगी और टीम की चयन प्रकिया पूरी हो चुकी है जिसमें पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से खिलाड़ियों को चयनित किया गया है। पश्चिमी उत्तरप्रदेश के महासचिव अनीश नरूला जी ने बताया टीम 5 सितंबर को मडगांव (गोवा) के लिए रवाना होगी। टीम के कोच वीरेंद्र कुमार रहेंगे। टीम इस प्रकार है- कृष्ण प्रताप महतो(कप्तान), अक्षित सक्सेना(उपकप्तान), साईं सक्सेना, अनुभव सक्सेना, अविरल राजपूत, ओम कश्यप, रोहित, अवनीश, राहुल, अनिकेत पाल, अमन चौबे, हरीश, समीर खान और नैमिष।

युवाओं के ज्ञान से सजेगा विकसित भारत का सपना, 15 से 29 वर्ष के युवाओं के लिए 'विकसित भारत क्विज' शुरू

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। विकसित भारत युवा लीडर्स डायलॉग (VBYLD)-2027 के तहत युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 'विकसित भारत क्विज' का आयोजन किया जा रहा है। क्विज का शुभारंभ 1 सितंबर 2026 से हो चुका है। इसमें 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवा प्रतिभाग कर सकते हैं। आयु की गणना 17 अगस्त 2026 के आधार पर की जाएगी। जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग ने जनपद के युवाओं, विद्यालयों, महाविद्यालयों, युवा संगठनों एवं युवा मंडलों से अधिकाधिक संख्या में प्रतिभाग करने की अपील की है। क्विज के माध्यम से युवाओं के ज्ञान, जागरूकता, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र निर्माण की भावना को बढ़ावा दिया जाएगा। उत्कृष्ट प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र एवं राष्ट्रीय स्तर की गतिविधियों से जुड़ने का अवसर मिलेगा। पात्र युवा MY Bharat पोर्टल (mybharat.gov.in) पर पंजीकरण कर क्विज में शामिल हो सकते हैं। विभाग ने युवाओं से उत्साह और सकारात्मक सोच के साथ इस अभियान में भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया है।

IGRS में जीरो संतुष्टि पर डीएम का चाबुक , संबंधित अफसरों के वेतन पर रोक

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। जनसुनवाई (आईजीआरएस) पोर्टल पर अगस्त 2026 में प्राप्त शिकायतों के फीडबैक की समीक्षा में कई अधिकारियों के प्रकरणों में शिकायतकर्ताओं की संतुष्टि का प्रतिशत शून्य पाया गया। इसे गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने संबंधित अधिकारियों के वेतन आहरण पर अग्रिम आदेशों तक रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण, तथ्यपरक एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने तथा शिकायतकर्ताओं के प्रति संवेदनशील रवैया अपनाने के निर्देश दिए। स्पष्ट किया गया कि आईजीआरएस मामलों में लापरवाही या उदासीनता किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शिकायतों के निस्तारण और प्राप्त फीडबैक की नियमित समीक्षा जारी रहेगी। भविष्य में असंतोषजनक फीडबैक अथवा लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

गोवंश संरक्षण में लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी: रमाकांत उपाध्याय

क्यूँ न लिखूँ सच / उत्तर प्रदेश गोसेवा आयोग के सदस्य रमाकांत उपाध्याय ने बुधवार को कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में बैठक में मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला की मौजूदगी में उपस्थित सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि गोवंश संरक्षण से संबंधित सभी कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर संपादित किया जाए।

उन्होंने कहा कि गोशालाओं में संरक्षित गोवंश के लिए पर्याप्त एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन, स्वच्छ पेयजल, नियमित चिकित्सा तथा सुरक्षित एवं स्वच्छ वातावरण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इन व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। गोआश्रय स्थलों में गोवंश की देखभाल एवं स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी भी सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप निराश्रित गोवंश के संरक्षण एवं उनके समुचित रखरखाव के लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ अपनी जिम्मेदारियों का पूर्ण निष्ठा, संवेदनशीलता एवं तत्परता से निर्वहन करें। उन्होंने गोशालाओं में चारा-पानी, स्वच्छता एवं चिकित्सा व्यवस्था को निरंतर बेहतर बनाए रखने पर विशेष जोर दिया।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि गोवंश संरक्षण के कार्यों में समाजसेवियों, व्यापारियों, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा अन्य दानदाताओं का सहयोग प्राप्त किया जाए, ताकि जनसहभागिता के माध्यम से गोशालाओं की व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि गोवंश संरक्षण केवल सरकारी विभागों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग की सामूहिक जिम्मेदारी है।

इससे पूर्व उन्होंने पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में पत्रकारवार्ता की, जिसमें पत्रकारों ने बताया कि नगर की मुख्यता सभी सड़कों पर गौवंश बैठे रहते हैं, इसके अलावा कई बार बाजार में सांड आदि लड़ जाते हैं, जिस पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है जिससे दुर्घटनाएं होने का खतरा बना रहता है। इसके अलावा पत्रकारों ने गौवंशों से सम्बंधित कई प्रकरण उनके समक्ष रखे, जिस पर उन्होंने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी प्रेम कोहली को निर्देश दिए कि प्राथमिकता पर इन शिकायतों व समस्याओं का निस्तारण किया जाए।

अटल आवासीय विद्यालय में बच्चों की सुविधाओं पर मंडलायुक्त सख्त

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। मंडलायुक्त शंभू कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को कमिश्नरी सभागार में अटल आवासीय विद्यालय, बरेली की मंडल स्तरीय अनुश्रवण समिति की बैठक हुई। बैठक में विद्यालय की व्यवस्थाओं और बच्चों को मिल रही सुविधाओं की समीक्षा की गई। तहसील नवाबगंज के अधकटा नजराना स्थित अटल आवासीय विद्यालय में अब तक पुस्तकों की आपूर्ति न होने पर मंडलायुक्त ने नाराजगी जताई। उन्होंने उप श्रम आयुक्त को संबंधित वेंडर के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। मंडलायुक्त ने हॉस्टल में रह रहे बच्चों के लिए बिजली, पानी और स्वच्छ भोजन की व्यवस्था हर हाल में दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। मेस में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने तथा बच्चों के परिवारीजनों से

बातचीत के लिए दूरभाष की सुविधा सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने विद्यालय में पढ़ाई में कमजोर विद्यार्थियों को चिन्हित कर उन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। साथ ही ऐसे बच्चों को बेहतर ढंग से पढ़ाने के लिए शिक्षकों को आवश्यक प्रशिक्षण दिलाने को कहा। मंडलायुक्त ने मुख्य विकास अधिकारी को माह में कम से कम एक बार अटल आवासीय विद्यालय का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि बच्चों की सुविधाओं और शिक्षा व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी देवयानी, अपर जिलाधिकारी प्रशासन पूर्णिमा सिंह, उप श्रम आयुक्त अनुराग मिश्रा, जिला विद्यालय निरीक्षक अजीत सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं औषधि वितरण शिविर संपन्न

समोदिया क्यूँ न लिखूँ सच। वर्षा ऋतु एवं संचारी रोगों से बचाव के प्रति जागरूकता के उद्देश्य से डॉक्टर दीपचंद मौर्य सरस्वती शिशु मंदिर, रुस्तमनगर में निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं औषधि वितरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में नर्सरी से कक्षा पांच तक के बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक परामर्श और दवाइयां उपलब्ध कराई गईं।

विद्या भारती से संबद्ध जन शिक्षा समिति पश्चिम उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित ग्राम भारती पिलखुआ, हापुड़ ग्रामीण शिक्षा के अंतर्गत आयोजित शिविर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, स्वार के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सतीश चंद के निर्देशन में चिकित्सा दल पहुंचा। दल में डॉ. सैयद इमरान, डॉ. रागिनी, फार्मासिस्ट जितेंद्र कुमार तथा एएनएम कैलाश रानी शामिल रहे। खराब मौसम और बारिश के बावजूद प्राचीन शिव मंदिर के सामने आयोजित स्वास्थ्य शिविर में बच्चों का सर्दी,

जुकाम, खांसी, दाद, खाज, खुजली, बुखार, सिरदर्द और बदन दर्द आदि समस्याओं को लेकर परीक्षण किया गया तथा आवश्यक औषधियों का वितरण किया गया। चिकित्सा टीम ने बच्चों को साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने, हरी सब्जियों, मौसमी फलों, दूध और दही का सेवन करने की सलाह दी।

साथ ही अत्यधिक तले-भुने और अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों से बचने के प्रति भी जागरूक किया गया।

शिविर के दौरान प्रधानाचार्य पंडित विनोद कुमार मिश्रा कक्षा सात के छात्र मोहम्मद सलमान को लेकर चिकित्सा दल के पास पहुंचे। चिकित्सकों ने छात्र को उसकी हानिकारक आदतों से दूर रहने तथा स्वस्थ और अनुशासित जीवन अपनाने के लिए परामर्श दिया। चिकित्सा टीम ने उसे स्नेहपूर्वक समझाते हुए नशे और अन्य गलत आदतों के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी। छात्र ने भविष्य में इन आदतों से दूर रहने का संकल्प लिया।

शिविर के आयोजन में शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य लक्ष्मण प्रसाद, जितेंद्र कुमार, श्रीमती नीलम, उषा देवी पाल, क्रांति सहित अन्य लोगों ने सहयोग किया। अंत में प्रधानाचार्य लक्ष्मण प्रसाद ने चिकित्सा दल का आभार व्यक्त करते हुए बच्चों के स्वास्थ्य के लिए आयोजित शिविर को उपयोगी बताया।

राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका विषय पर विद्यार्थी संवाद कार्यक्रम आयोजित

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच। एसएमएस पब्लिक स्कूल बिलारी में आज विद्यार्थी संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय 'राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका' रहा। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को राष्ट्र के विकास में युवाओं की जिम्मेदारियों और उनके योगदान के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।कार्यक्रम में मुख्य वक्ता दिनेश कुमार, धर्म जागरण संबंध में विभाग सह संयोजक तथा जगपाल सिंह, सह कार्यवाह नगर बिलारी रहे। वक्ताओं ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति हैं। राष्ट्र का भविष्य युवाओं की सोच, शिक्षा, संस्कार और जिम्मेदारी पर निर्भर करता है। युवाओं को अपने व्यक्तित्व

विकास के साथ-साथ समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को भी समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन व्यक्ति के भविष्य की नींव तैयार करने का महत्वपूर्ण समय होता है। विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम, ईमानदारी और राष्ट्रप्रेम को अपने जीवन का हिस्सा बनाकर आगे बढ़ना चाहिए। शिक्षा प्राप्त करने के साथ ही युवाओं को सामाजिक कुरीतियों के प्रति जागरूक रहते हुए समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। इस दौरान वक्ताओं ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उनके विचार भी जाने और राष्ट्र निर्माण से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और वक्ताओं के विचारों को ध्यानपूर्वक सुना। कार्यक्रम में लगभग 150 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों में विशेष उत्साह दिखाई दिया।

मुख्यमंत्री ने आउटसोर्स कार्मिकों को दीं नई सौगात

क्यूँ न लिखूँ सच / मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लखनऊ में उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम का शुभारंभ करते हुए प्रदेश के आउटसोर्स कार्मिकों के हित में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। इस अवसर पर निगम के लोगो, वेबसाइट एवं पोर्टल का शुभारंभ किया गया तथा आउटसोर्स कार्मिकों को बढ़े हुए पारिश्रमिक के चेक भी वितरित किए गए। कार्यक्रम सजीव प्रसारण डायट स्थित ऑडिटोरियम में किया गया, जिसका शुभारंभ जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया व स्कूली छात्राओं ने अथितियों के स्वागत में मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए।

सजीव प्रसारण में मुख्यमंत्री ने कहा कि नई व्यवस्था के तहत आउटसोर्स कार्मिकों को समय से पारिश्रमिक उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया गया है। प्रत्येक माह की 01 से 05 तारीख के मध्य पारिश्रमिक सीधे कार्मिकों के बैंक खातों में भेजा जाएगा। ईपीएफ एवं ईएसआई का अंशदान भी नियमित रूप से जमा किया जाएगा। आउटसोर्स एजेंसी को दिया जाने वाला सेवा शुल्क सरकार द्वारा वहन किया जाएगा, जिससे कार्मिकों के पारिश्रमिक से अनावश्यक कटौती नहीं की जा सकेगी।

उन्होंने कहा कि आउटसोर्स कार्मिकों की सेवा सुरक्षा को भी प्राथमिकता दी गई है। अब कोई भी आउटसोर्स एजेंसी किसी कार्मिक को मनमाने ढंग से सेवा से नहीं हटा सकेगी। सेवा समाप्त करने से पहले संबंधित प्रकरण सरकार के समक्ष रखा जाएगा तथा जांच के उपरांत ही कार्रवाई की जाएगी। इससे कार्मिकों के परिवार के सदस्यों की शिक्षा एवं अन्य आवश्यकताओं के लिए भी सहायता का प्रावधान किया गया है।

नई डिजिटल व्यवस्था के माध्यम से भर्ती, तैनाती, उपस्थिति, पारिश्रमिक, ग्रेच्युटी, बीमा एवं अन्य सेवा लाभों की ऑनलाइन निगरानी की जाएगी। कार्मिक अपने सेवा विवरण, भुगतान एवं कटौती की जानकारी ऑनलाइन देख सकेंगे तथा शिकायत भी दर्ज करा सकेंगे। निगम के माध्यम से प्रदेश के लगभग साढ़े तीन लाख आउटसोर्स कार्मिकों एवं उनके परिवारों को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

सदर विधायक महेश चन्द्र गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार कर्मचारियों एवं श्रमिकों के हितों को प्राथमिकता दे रही है। पारिश्रमिक में वृद्धि, समय से भुगतान, ईपीएफ, ईएसआई एवं सेवा सुरक्षा से जुड़ी घोषणाएं लाखों कार्मिकों के लिए बड़ी राहत हैं।

बिल्सी विधायक हरीश शाक्य ने कहा कि आउटसोर्स कार्मिक विभिन्न सरकारी विभागों की व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पारिश्रमिक में बढ़ोतरी एवं सामाजिक सुरक्षा की व्यवस्थाएं उनके और उनके परिवारों के भविष्य को अधिक सुरक्षित बनाएंगी।

भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता ने कहा कि आउटसोर्स कार्मिकों के लिए उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम की स्थापना सरकार की संवेदनशील एवं कर्मचारी हितैषी सोच को दर्शाती है। समयबद्ध पारिश्रमिक, सामाजिक सुरक्षा, दुर्घटना बीमा एवं सेवा सुरक्षा से कार्मिकों में विश्वास मजबूत होगा।

इसके उपरांत जिलाधिकारी अवनीश राय ने जनप्रतिनिधियों, मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला, अपर जिलाधिकारी प्रशासन अरुण कुमार सहित अन्य अधिकारियों एवं उपस्थित लोगों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। इस अवसर पर नमस्ते योजना के अंतर्गत स्वेच्छाग्रहियों को किट, श्रमिकों को कन्या विवाह सहायता योजना के तहत 65 हजार रुपये की धनराशि के चेक तथा मातृत्व, शिशु एवं बालिका मदद योजना के अंतर्गत 25 हजार रुपये की एफडी प्रदान की गई।

इस अवसर पर एमएलसी प्रतिनिधि के रूप में भाजपा महिला मोर्चा की जिला कोषाध्यक्ष सलोनी शुचि पाठक, जिला विकास अधिकारी मनोज कुमार सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन समाज कल्याण विभाग के महाराज सिंह ने किया।

संक्षिप्त समाचार

आश्वासन के बाद भी नाले पर नहीं पड़ी स्लिप, हादसे का खतरा

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। नगर पंचायत द्वारा नाले की सफाई कराते समय नाले का सिलप हटाया गया था। नाले पर स्लिप डलवाने का आश्वासन दिए जाने के बावजूद 2 सितंबर तक समस्या का समाधान नहीं हो सका है। स्थानीय लोगों का आरोप है। कि 22 अगस्त को नगर पंचायत के ईओ ने 23 अगस्त को नाले पर स्लिप डलवाने का आश्वासन दिया था, लेकिन निर्धारित समय बीतने के बाद भी स्लिप नहीं डाली गई।खुले नाले के कारण गली में रहने वाले छोटे बच्चों के साथ कभी भी गंभीर हादसा होने का खतरा बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि कोई बच्चा नाले में गिरकर घायल होता है या कोई बड़ा हादसा होता है तो इसकी जिम्मेदारी आखिर किसकी होगी।मोहल्ले के लोगों ने नगर पंचायत प्रशासन से तत्काल नाले पर स्लिप डलवाकर समस्या का समाधान कराने की मांग की है, ताकि किसी अनहोनी को रोका जा सके।

जनविश्वास पोर्टल, अभियान के उद्देश्यों को पूरा करने में होगा प्रभावी और लाभकारी सिद्ध : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि 7 अगस्त से आरंभ मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अब तक चार सप्ताह सफलतापूर्वक पूर्ण हो चुके हैं। कम समय में ही अभियान का अत्यधिक सकारात्मक प्रभाव रहा है। जनप्रतिनिधियों से लेकर अधिकारियों तक सभी सप्ताह में एक दिन फील्ड पर जाकर जनता की समस्याओं का तुरंत निराकरण कर रहे हैं। जनविश्वास पोर्टल, अभियान के उद्देश्यों को पूरा करने में प्रभावी और लाभकारी सिद्ध होगा। प्रत्येक स्तर पर अधिकारी इस पोर्टल में यूजर मैनुअल के अनुसार नियमित रूप से जानकारियां अपलोड करना सुनिश्चित करें। इसके समेकित उपयोग से मैदानी स्तर पर जनसामान्य को बहुत लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जन विश्वास पोर्टल की आज मंत्रालय में लॉंच कर यह विचार व्यक्त किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जन विश्वास अभियान के अंतर्गत किए जा रहे कार्यो की संपूर्ण जानकारी व्यवस्थित रूप से दर्ज करने के लिए मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान पोर्टल बनाया गया है। पोर्टल पर अभियान के अंतर्गत किए गए भ्रमण, निरीक्षण, जन संवाद, उद्यम संवाद, जिला स्तरीय समीक्षा बैठक, नीतिगत विषय, अभियान के दौरान दिए गए महत्वपूर्ण निर्देशों, जिले के प्रमुख नवाचारों और जिले की ओर से भेजे जाने वाले सुझावों को दर्ज किया जाएगा। प्रति सप्ताह दर्ज की जाने वाली जानकारी की उच्च स्तर पर नियमित समीक्षा की जाएगी और राज्य स्तरीय मामलों के निराकरण के लिए आवश्यक समन्वय भी होगा। सेवा संकल्प अभियान- प्रदेश में 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान की निहित बिन्दुओं का क्रियान्वयन किया जाएगा के संबंध में व्हीसी के माध्यम से आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। विदिशा एनआईसी व्हीसी कक्ष में कलेक्टर अंशुल गुप्ता के साथ-साथ पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी, वन मण्डलाधिकारी हेमंत यादव , जिला पंचायत सीईओ ओपी सनोडिया के अलावा एडीएम, एसडीएम, समेत विभिन्न विभागो के अधिकारी मौजूद रहे।

बलराम जयंती और पौधारोपण को लेकर भारतीय किसान संघ की मासिक बैठक आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ ? त्योंदा तहसील इकाई की मासिक बैठक आज संपन्न हुई। बैठक के उपरांत मंत्री माधव प्रसाद दुबे के गार्डन परिसर में जिला मंत्री महेंद्र सिंह रघुवंशी द्वारा पौधारोपण किया गया की शुरुआत %जय बलराम% के उद्घोष एवं भगवान बलराम जी की पूजन के साथ की गई। बैठक में वर्तमान में सोयाबीन उड़द की फ़सल में अफलन होने से प्रशासन को ज्ञापन देने आगामी समय में फसलों के रखरखाव, उपज सुरक्षा और कृषि संबंधी विभिन्न कार्यों की विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई। भगवान बलराम जी का पूजन किया जाएगा तथा व्यापक स्तर पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। ?बैठक के प्रमुख निर्णय और कार्य योजना- ?बलराम पूजन एवं पौधारोपण- गांव-गांव जाकर बलराम पूजन एवं वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा। ?फसल सुरक्षा एवं प्रबंधन- आगामी फसलों की देखरेख और उन्नत कृषि तकनीकों पर किसानों को जागरूक किया जाएगा। ?किसान समस्याएं- खाद, बीज, बिजली और सिंचाई से जुड़ी समस्याओं के निवारण हेतु प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा जाएगा। इस बैठक में मुख्य रूप से जिला मंत्री महेंद्र सिंह रघुवंशी तहसील कार्यकारिणी के अध्यक्ष प्रीतम सिंह राजपूत, तहसील मंत्री माधव प्रसाद दुबे एवं तहसील उपाध्यक्ष शरद शर्मा सह मंत्री भूपेंद्र सिंह सहसंयोजक शेर सिंह पटेल विजय सिंह राजपूत जगदीश यादव तहसील के अन्य पदाधिकारी तथा स्थानीय किसान मौजूद रहे।

तालाब में मिला मां और बेटी का शव पुलिस जांच में जुटी

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। थाना हरदत्तनगर गिरन्ट क्षेत्र अन्तर्गत देर रात लापता हुई एक महिला और उसकी एक वर्षीय बेटी के शव दोपहर तालाब से बरामद होने से सनसनी फैल गई। परिजन मां-बेटी के शव को तालाब से निकालकर घर ले गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार हरदत्त नगर गिरंट थाना क्षेत्र के इमलिया गांव निवासिनी शबीना उम्र 30 वर्ष पत्नी इसराइल, व एक वर्षीय बेटी का शव दोपहर करीब 3 बजे के बाद गांव से कुछ दूरी पर छोटा करनपुर के पास मछली पालन के लिए बनाए गए तालाब से मिला।

परिजन मां-बेटी के शव को तालाब- से निकालकर घर लेकर गए हैं। परिजनों ने बताया कि मृतक शबीना रात करीब 2 बजे अपनी एक वर्षीय बेटी को गोद में लेकर अचानक घर से निकल गई थी। इसकी जानकारी होने पर उन्होंने रातभर गांव के साथ रिश्तेदारों और आसपास के इलाकों में तलाश की, लेकिन दोनों का कोई पता नहीं चला। सुबह ग्रामीणों ने छोटा करनपुर के पास स्थित तालाब में एक महिला का शव उतराता देखा। परिजनों के मुताबिक, रात करीब एक बजे शबीना काफी परेशान नजर आ रही थी। उसके पति इसराइल ने उससे परेशानी का कारण पूछा और समझाने का प्रयास भी किया था। इसके कुछ देर बाद परिवार के लोग सो गए। इसी दौरान शबीना अपनी बच्ची को लेकर घर से निकल गई। ग्रामीणों के अनुसार, शबीना की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। और उसका इलाज भी चल रहा था। हालांकि, महिला की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसकी पुलिस जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। सूचना मिलने पर सीओ भारत पासवान ने फोरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया। तथा मौके पर साक्ष्यों का संकलन किया।

अमर शहीद धर्मपाल सिंह लोधी की स्मृति में बनेगा पार्क एवं स्मारक, केंद्रीय राज्य मंत्री बीएल वर्मा ने किया भूमि पूजन

क्यूँ न लिखूँ सच / नीरज कुमार/ तहसील उरई के ग्राम जैसारी कला में अमर शहीद धर्मपाल सिंह लोधी जी की स्मृति को चिरस्थायी बनाने के उद्देश्य से पार्क एवं स्मारक निर्माण के लिए भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री, भारत सरकार बीएल वर्मा ने भूमि पूजन किया तथा अमर शहीद धर्मपाल सिंह लोधी जी की स्मृति में पौधरोपण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री बीएल वर्मा ने कहा कि देश की स्वतंत्रता, सुरक्षा और सम्मान के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले अमर शहीदों का बलिदान सदैव स्मरणीय रहेगा। उनकी स्मृतियों को संरक्षित करना और आने वाली पीढ़ियों को उनके त्याग एवं राष्ट्रप्रेम से परिचित कराना हम सभी की जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि शहीद की स्मृति में बनने वाला पार्क एवं स्मारक स्थानीय लोगों के लिए प्रेरणा का केंद्र बनेगा और युवाओं को राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करेगा। कार्यक्रम के दौरान पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय नागरिकों ने अमर शहीद धर्मपाल सिंह लोधी जी के चित्र एवं स्मृति को नमन करते हुए उनके योगदान को याद किया। इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री भानु प्रताप सिंह वर्मा, सदर विधायक गौरी शंकर वर्मा, माधौगढ़ विधायक मूलचंद निरंजन, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी, भाजपा जिलाध्यक्ष उर्विजा दीक्षित सहित अशोक राजपूत, मनोज राजपूत, रामजी राजपूत, रेखा वर्मा, छत्रपाल सिंह राजपूत, आराधना राजपूत तथा बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित रहे, कार्यक्रम आयोजक नेत्रपाल सिंह मुखिया द्वारा किया गया।

डिजिटल व्यवस्था से आउटसोर्स कर्मियों का मानव संसाधन प्रबंधन होगा अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित - मा0 मुख्यमंत्री जी

क्यूँ न लिखूँ सच / नीरज कुमार/ मुख्यमंत्री जी द्वारा सम्पूर्ण आउटसोर्स मानव संसाधन प्रबंधन के डिजिटल एकीकरण के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम (UPCOS) का शुभारंभ किया गया। लोक भवन सभागार, लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम के दौरान PCOS के पोर्टल एवं वेबसाइट की लॉन्चिंग, निगम के लोगो का अनावरण तथा आउटसोर्स कर्मियों को चेक वितरण किया गया। कार्यक्रम का जनपद जालौन में सजीव प्रसारण राजकीय मेडिकल कॉलेज के ऑडिटोरियम में किया गया। जनपद में आयोजित कार्यक्रम में मा0 जिला पंचायत अध्यक्ष प्रशासक डॉ0 घनश्याम अनुरागी, मा0 विधायक सदर गौरीशंकर वर्मा, मा0 विधायक माधौगढ़ मूलचन्द्र निरंजन, विधान परिषद सदस्य के प्रतिनिधि मयंक त्रिपाठी, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, मुख्य विकास अधिकारी के0के0 सिंह, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) राजीव राज, मुख्य चिकित्साधिकारी हरिनंदन प्रसाद, परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी, जिला विकास अधिकारी निशांत पाण्डेय, जिला पंचायत राज अधिकारी राम आयोध्या प्रसाद सहित जनपद स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में आउटसोर्स कर्मी उपस्थित रहे।

मा0 जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ0 घनश्याम अनुरागी ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा आउटसोर्स कर्मियों की कार्यप्रणाली को डिजिटल व्यवस्था से जोड़ने की पहल अत्यंत सराहनीय है। PCOS के माध्यम से आउटसोर्स मानव संसाधन प्रबंधन को एकीकृत एवं व्यवस्थित बनाने में सहायता मिलेगी। आधुनिक तकनीक के उपयोग से व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही को और अधिक मजबूत किया जा सकेगा। मा0 विधायक सदर गौरीशंकर वर्मा ने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार प्रशासनिक व्यवस्थाओं में लगातार तकनीक का समावेश कर उन्हें सरल, पारदर्शी और प्रभावी बनाने का कार्य कर रही है। UPCOS का शुभारंभ आउटसोर्स कर्मियों एवं संबंधित विभागों के लिए महत्वपूर्ण कदम है। डिजिटल व्यवस्था से मानव संसाधन प्रबंधन में बेहतर समन्वय स्थापित होने के साथ कार्यों के प्रभावी संचालन में भी मदद मिलेगी

वन विभाग द्वारा डॉल्फिन और मगरमच्छ संरक्षण पर ग्रामीणों को किया जागरूक

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती ककरदरी रेंज क्षेत्र के मछरिहवा और भरथा बेलभरिया गांव में गंगीय डॉल्फिन एवं मगरमच्छ के संरक्षण को लेकर जनजागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों को जलभराव और बारिश के दौरान वन्यजीवों के मानव बस्तियों के आसपास पहुंचने पर बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में जानकारी दी। ग्रामीणों को बताया गया कि यदि मगरमच्छ, डॉल्फिन या अन्य वन्यजीव आबादी के आसपास दिखाई दें तो उनके पास न जाए, उन्हें पकड़ने या परेशान करने का प्रयास न करें। इसकी सूचना तत्काल वन विभाग को दें ताकि वन्यजीव और मानव दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों से वन्यजीवों के संरक्षण में सहयोग करने की अपील की। साथ ही किसी भी वन्यजीव के आबादी क्षेत्र में आने या मानव-वन्यजीव संघर्ष की स्थिति उत्पन्न होने पर वन विभाग के टोल फ्री नंबर 1926 पर सूचना देने की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में वन दारोगा विकास शुक्ला, वन रक्षक राकेश यादव, वन रक्षक सुधीर मिश्रा, दैनिक श्रमिक साधु मौर्या, राम मनोहर, बबलू यादव सहित वन विभाग के अन्य कर्मचारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

राशन वितरण में गड़बड़ी पर कलेक्टर का सख्त रुख, डहरवारा-बड़ोखरा में खुद खड़े होकर कराया राशन वितरण

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। सार्वजनिक वितरण प्रणाली में पारदर्शिता और पात्र हितग्राहियों को समय पर खाद्यान्न उपलब्ध कराने को लेकर कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा ने सख्त रुख अपनाया है। राशन वितरण में अनियमितता की शिकायतों पर तत्काल संज्ञान लेते हुए कलेक्टर ने न केवल संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए, बल्कि स्वयं मौके पर पहुंचकर अपनी मौजूदगी में पात्र हितग्राहियों को राशन का वितरण कराया। डहरवारा राशन दुकान में निरीक्षण के दौरान राशन वितरण और खाद्यान्न स्टॉक से संबंधित अनियमितताएं सामने आई थीं। मामले में संबंधित सेल्समैन सुरेंद्र सिंह रावत के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की गई तथा उसे जेल भेजा गया। इसके बाद कलेक्टर वर्मा स्वयं डहरवारा पहुंचे और अपनी निगरानी में राशन वितरण शुरू करवाया, जिससे पात्र हितग्राहियों को खाद्यान्न मिल सका। इसी प्रकार बदरवास के बड़ोखरा में भी राशन वितरण को लेकर शिकायत मिलने पर कलेक्टर ने तत्काल मौके पर पहुंचकर अपनी निगरानी में पात्र हितग्राहियों को राशन वितरित कराया। उन्होंने एसडीएम, तहसीलदार सहित संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि राशन की उपलब्धता और वितरण में किसी प्रकार की बाधा नहीं आनी चाहिए तथा लंबित खाद्यान्न का शीघ्र वितरण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने देहरदा सड़क स्थित पीडीएस दुकान का भी निरीक्षण किया। सभी राशन दुकानों की निगरानी के निर्देश- कलेक्टर ने जिले के सभी एसडीएम और तहसीलदारों को अपने-अपने क्षेत्रों की राशन दुकानों का नियमित एवं अनिवार्य निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। निरीक्षण के दौरान दुकान में उपलब्ध स्टॉक, वितरण व्यवस्था और हितग्राहियों को दी जा रही सुविधाओं की विशेष रूप से जांच करने को कहा गया है। कलेक्टर अर्पित वर्मा ने कहा कि पात्र हितग्राहियों को समय पर और पूरी पारदर्शिता के साथ राशन उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को शिकायतों का त्वरित निराकरण करने और यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली का लाभ प्रत्येक पात्र परिवार तक सुगमता से पहुंचे। अनियमितता करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। राशन लेते समय इन बातों का रखें ध्यान- कलेक्टर ने राशन कार्डधारियों से अपील की है कि राशन प्राप्त करते समय निर्धारित मात्रा के अनुसार तौल अवश्य कराएं।

राशन पूरी मात्रा में प्राप्त होने के बाद ही पीओएस मशीन पर अंगूठा लगाएं। किसी भी प्रकार की कमी, गड़बड़ी या अन्य समस्या सामने आने पर तत्काल संबंधित अधिकारियों को इसकी सूचना दें। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में राशन वितरण व्यवस्था को पारदर्शी, जवाबदेह और हितग्राही-केंद्रित बनाने के लिए निगरानी एवं कार्रवाई का सिलसिला आगे भी जारी रहेगा।

सड़कों का हाल बेहाल, आने-जाने वाले लाचार

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती, मल्हीपुर से बाबागंज सड़क गड्ढे में तब्दील हो गई है। आने जाने वाले लोगों के लिए काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है जमुनहा तहसील व ब्लॉक मुख्यालय सहित क्षेत्र के गांव को जिला मुख्यालय भिनगा से जोड़ने वाली सड़कों का हाल बेहाल है। लेकिन लोग इन्ही सड़कों पर आने जाने के लिए मजबूर हैं। जमुनहा ब्लाक कार्यालय के सामने ही सड़क गड्ढे में तब्दील है। वहीं कानीबोझी भिनगा बाया परसा मार्ग की हालत काफी जर्जर है। इस मार्ग पर वाहन तो दूर पैदल चलना भी दूभर है। लगातार मांग के बाद भी समस्या का समाधान न होने से क्षेत्र में जनाक्रोश बढ़ता जा रहा है। जमुनहा कानीबोझी वाया भिनगा मार्ग की दशा किसी से छिपी नहीं है। क्षेत्र को मुख्यालय से जोड़ने वाली यह सड़क आवागमन में प्रमुख भूमिका निभाती है लेकिन इसकी हालत विगत कई वर्षों से खस्ताहाल है। जिसकी मरम्मत न कराए जाने के कारण इस पर वाहन चलाना तो दूर पैदल चलना भी दूभर है। जो भी वाहन चालक एक बार इस मार्ग पर चला जाए वह दोबारा इस पर जाना नहीं चाहता। क्षेत्रवासियों की निरंतर मांग के बाद न तो मार्ग की मरम्मत हो रही और न पुनर्निर्माण कराया जा रहा है। समस्या के स्थाई समाधान के लिए कोई प्रयास भी नहीं किया जा रहा। जिससे क्षेत्रवासियों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। गजोबरी गांव के पास सड़क की हालत देखकर लोगों की परेशानी समझी जा सकती है। यह मात्र बानगी है। इसकी हालत परसा से भिनगा तक और भी खराब है। मार्ग पर बने गड्ढों में बरसात के कारण हुए जलभराव मार्ग अब तालाब में एज तब्दील हो गया है जिससे राहगीरों को आवागमन में भारी से दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस स्थिति के चलते आए दिन लोग दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। इसके बाद भी कोई पुरसाहाल नहीं है।

वीरगंज बाजार से कथरा माफी तक जाने वाली सड़क कब की खराब हो चुकी है। इसी मार्ग पर ब्लाक प्रमुख का घर है। इसके बाद भी सड़क की मरम्मत नहीं हो रही है।

संक्षिप्त समाचार

500 यूकेलिप्टस के पेड़ काटने का आरोप पांच लाख रुपये के नुकसान का दावा

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। मल्हीपुर थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत परसोहना के मजरा परसोहना में खेत में लगे करीब 500 यूकेलिप्टस के पेड़ रात में काटे जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता किरन वर्मा पत्नी इंद्रजीत ने उपजिलाधिकारी जमुनहा रवि प्रताप सिंह को प्रार्थना पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई और न्याय की गुहार लगाई है। रात करीब 1-30 बजे की है। उसके खेत में करीब 500 यूकेलिप्टस के पेड़ लगे हुए थे। आरोप है कि गांव के ही माता प्रसाद पुत्र पेशकार वर्मा, जदी प्रकाश पुत्र राम प्रसाद वर्मा और राम फकीरे पुत्र छंगा वर्मा ने कथित तौर पर कुल्हाड़ी और बांका से पेड़ों को काटकर जमीन पर गिरा दिया।किरन वर्मा का आरोप है कि उनके और विपक्षी पक्ष के बीच पहले से आपसी विवाद चल रहा है। इसी रंजिश के चलते आरोपियों ने रात के अंधेरे में घात लगाकर पेड़ों को काट दिया। पीड़िता ने पेड़ों की कीमत करीब पांच लाख रुपये बताते हुए आर्थिक नुकसान का दावा किया है। पीड़िता ने प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया कि विपक्षी दबंग और आपराधिक प्रवृत्ति के हैं, जिसके चलते वह काफी परेशान और भयभीत है। उन्होंने पूरे मामले की जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई और उचित न्याय दिलाने की मांग की है। पुलिस एवं राजस्व विभाग की जांच के बाद ही पेड़ काटे जाने की घटना और आरोपों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

गोराटीला झरने का पानी बना जांच का विषय, चार बच्चों की मौत के बाद प्रशासन अलर्ट

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। ग्राम गोराटीला स्थित झरने के पानी के उपयोग के बाद चार बच्चों की हुई दुखद मृत्यु के मामले में जिला प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना की सूचना मिलते ही कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा ने स्वास्थ्य विभाग को आवश्यक जांच और निगरानी के निर्देश दिए। मंगलवार को ही झरने पर पिकनिक मनाने गए परिवारों के सदस्यों की स्वास्थ्य जांच कराई गई तथा उनके सैंपल लिए गए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा चिकित्सकों की दो टीमें गठित कर कुल 50 ब्लड सैंपल लिए गए हैं। तौकीर अहमद की 17 वर्षीय पुत्री ताशीन की जांच में स्वास्थ्य संबंधी समस्या पाए जाने पर अल्ट्रासाउंड कराकर उपचार शुरू किया गया है। चिकित्सकों द्वारा उसकी लगातार निगरानी की जा रही है। इसके साथ ही झरने के पानी के सैंपल भी जांच के लिए लिए गए हैं, ताकि पानी की स्थिति और घटना के संभावित कारणों का पता लगाया जा सके। 15 सदस्य गए थे पिकनिक मनाने- प्राप्त जानकारी के अनुसार शिवपुरी शहर के वार्ड क्रमांक 9 हम्माल मोहल्ला निवासी रजा मोहम्मद तथा फिजिकल थाना के सामने निवासरत तनवीर के परिवार के कुल 15 सदस्य गोराटीला झरने पर पिकनिक मनाने गए थे। परिवार के सदस्यों ने वहां स्नान किया और खाना खाया। इसके बाद बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी और चार बच्चों की दुखद मृत्यु हो गई। एसडीएम ने मौके पर पहुंचकर किया निरीक्षण- कलेक्टर के निर्देश पर कोलारस एसडीएम शिवदयाल धाकड़ ने प्रशासनिक अमले, पटवारी, सरपंच एवं ग्रामीणों के साथ सिद्ध बाबा बरसाती नाले से निकलने वाले झरने और गोराटीला क्षेत्र का सघन निरीक्षण किया। स्वास्थ्य विभाग को गांव में सर्वे करने तथा ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। किसी भी व्यक्ति में बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल उपचार उपलब्ध कराने के लिए भी कहा गया है। रिपोर्ट आने तक पानी का इस्तेमाल न करने की अपील- जिला प्रशासन ने जनहित में ग्रामीणों और आम लोगों से अपील की है कि जांच रिपोर्ट आने तक गोराटीला झरने के पानी में न नहाएं, न इसे पीने के लिए इस्तेमाल करें और न ही किसी घरेलू कार्य में उपयोग करें। प्रशासन द्वारा पानी के नमूनों की जांच कराई जा रही है और रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पीड़ित परिवारों को डेढ़ लाख की राहत- घटना के बाद जिला प्रशासन ने पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई है। कलेक्टर अर्पित वर्मा के निर्देश पर अपर कलेक्टर दिनेश चंद्र शुक्ला ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं। इस दौरान रेडक्रॉस की ओर से पीड़ित परिवारों को 1.50 लाख रुपये की राहत राशि का चेक प्रदान किया गया। प्रशासन ने घटना की गंभीरता को देखते हुए स्वास्थ्य निगरानी और जांच की प्रक्रिया लगातार जारी रखने की बात कही है।

बिखरते परिवारों को एक डोर से बांधने का सहारा बनी बदायूं पुलिस

क्यूँ न लिखूँ सच / रिजर्व पुलिस लाईन बदायूं में आयोजित परिवार परामर्श केंद्र के सहयोग से तथा मौजूद काउंसलर 1.श्री गिरधारी सिंह राठौर 2.श्री भीमसेन सागर 3. श्री ज्वाला प्रसाद गुप्ता 4.श्री एस डी शर्मा एवं संबंधित पुलिस कर्मचारीगण महिला हेड कांस्टेबल कुमुद (प्रभारी) एवं महिला कांस्टेबल राखी ,कांस्टेबल स्वाति ,कांस्टेबल संध्या पारिवारिक समस्याओं की कुल 41फाइलें लगाई गई । जिनमें से 28 फाइलों की काउंसलिंग ,02 फाईल में समझौता ,12 फाईल निरस्त शेष फाइलो में अग्रिम तिथि दी गई एवं उपस्थित पक्षों को सुना गया और उनकी समस्याओं के निवारण का विचार किया गया। समझौता किए गए परिवार को उज्जवल भविष्य की शभकामनाऐं दी गईं ।

Bihar's folk dance is completely different from the dances shown in Bhojpuri songs. 'Bidesia' depicts the pain of separation between husband and wife.

Do you also consider the dances shown in Bhojpuri songs to be the real dances of Bihar? If so, you may not be familiar with Bidesia. Bidesia is a famous folk dance of Bihar and an important part of its culture. Bidesia depicts the agony of separation between husband and wife, the pain of poverty, and the suffering of migration. This dance combines dance with drama, making it even more special and entertaining. Let's learn how Bidesia dance originated and why it is so special. Why is Bidesia dance performed? Bidesia is derived from the word 'foreign', which depicts the pain of migration and separation. In the 19th and 20th centuries, men in Bihar began leaving their homes, villages, and wives for Calcutta, Assam, or other major cities in search of employment. The Bidesiya dance originated to express the loneliness, insecurity, and longing for the husband's return that women left behind after their men left for the city. The unique feature of this dance is that it not only depicts the separation between husband and wife, but also highlights the causes of this separation, such as unemployment, poverty, and social customs. It also addresses social issues such as remarriage. How did Bidesiya originate? The originator of Bidesiya dance is Bhikhari Thakur, also known as the Shakespeare of Bhojpuri. In the 20th century, when men began migrating abroad in search of livelihood, Bhikhari Thakur felt the pain of the women left behind at home. He composed plays in the village language and style, and these were performed on stage. Bhikhari Thakur also wrote a play titled Bidesiya. This play beautifully presented the pain of migration. It became so popular that it marked the beginning of the Bidesia drama-dance genre. What is unique about Bidesia? Bidesia is performed exclusively by men. Even the female roles are played by men. They act and dance on stage wearing women's makeup and clothing. People love Bidesia because it uses traditional Bhojpuri melodies. It also features songs like Kajri. Musical instruments like the dholak, manjira, and harmonium are used in this dance. While the separation between husband and wife in Bidesia brings tears to people's eyes, the character of Batohia occasionally tickles people with humor and satire.

This Bollywood romantic song is based on a superhit Rajasthani folk song, and it still creates a buzz with Ghoomar.

The song for Farhan Akhtar and Rashi Khanna's film is based on a famous Rajasthani folk song. You've likely heard the song "Naina Ra Lobhi" from the film 120 Bahadur, but did you know that this song is based on a folk song? Yes, it's actually based on a famous Rajasthani folk song. This folk song was sung by Seema Mishra, known as the Nightingale of Rajasthan, and it was a favorite in every Rajasthani household. Let's learn some facts about this folk song. A wife wooing her husband - "Naina Ra Lobhi" is a folk song filled with romantic sentiments. In this song, the lover talks to her lover about their love and their in-laws' relationships. The wife calls her husband and asks him to go to Ghoomar. Meanwhile, she also tells him about all the relationships in her in-laws' lives, including her sister-in-law, sister-in-law, and mother-in-law. Folk Song Written in Typical Dialect - The lyrics of this song are composed of words from the typical Rajasthani dialect. Therefore, people can connect with this song and it is also quite easy to sing. When sung with the accompaniment of dholak, manjira, and khadtal, it becomes even more beautiful. Folk Song for Ghoomar - Women perform the Ghoomar dance to this folk song. Therefore, this song is sung on every auspicious occasion, wedding, or festival. Women perform the Ghoomar dance while spinning in circles to this song. Therefore, this folk song has become a part of Rajasthan's festivals. Rajasthan's Maru Kokila Gave Voice - Seema Mishra, who brought this folk song to every household, is also known as Maru Kokila. Due to her melodious voice, Seema Mishra has become a well-known name in the Rajasthani music world. She was born in Jhunjhunu, Rajasthan and had a passion for music since childhood. Seema Mishra sang many hit songs in the early 2000s, including Naina Ra Lobhi. However, her most superhit song is Mhari Ghoomar Chai Nakhraali. By lending her voice to this Ghoomar song, Seema Mishra made a place in the hearts of every Rajasthani. Apart from this, she has also sung many bhajans and Mand songs. Song used in 120 Bahadur - Naina Ra Lobhi has been used in the film 120 Bahadur. However, its lyrics and tune have been changed. This song has been filmed on Farhan Akhtar and Rashi Khanna and it has been sung by Javed Ali and Asees Kaur.

"Ekla Cholo Re" is far superior to the authentic music of Bengal; its music touches the heart as soon as it is heard.

Bengal's folk music is quite diverse and an important part of the region's culture. When you think of Bengali songs, songs like "Ekla Cholo Re" may come to mind, but do you know about Bengal's true folk music? Folk music isn't just about entertainment; it showcases Bengal's culture. The most distinctive feature of this region's folklore is that it encompasses songs of various genres. Each region has its own unique folk song, and songs are associated with different occasions. Let's learn about the folk music of West Bengal. Baul Music Baul music symbolizes Bengal's spiritual folk tradition. It is recognized as a UNESCO Intangible Cultural Heritage. The lyrics of these songs are rooted in spirituality, sung to connect humanity with God. Baul music is sung to the accompaniment of the Ektara, Khamakh, and Dutara. Jhumur - These songs are sung by the tribals of Purulia, Bankura, and West Medinipur. Accompanied by the beats of drums and flutes, these songs are associated with the changing seasons, harvests, and community festivals. Bhawaiyya - Bengal's Bhawaiyya music originated in the Jalpaiguri and Koch Bihar regions and is primarily associated with the working class. These songs beautifully depict love, separation, and the hardships of rural life. Gambhira - This music is associated with folk drama and satire. It attacks social evils. In this music, artists present the problems of the common people and the ills of society through dialogues and songs. Bhatiyya - This is the music associated with the boatmen of Bengal. Boatmen would sing songs to overcome loneliness while sailing on rivers, giving rise to Bhatiyya music. These songs have long and slow rhythms. Additionally, these songs express emotions related to love and separation. Bhatiyali also includes songs about moving forward in life. Rabindra Sangeet - Rabindra Sangeet cannot be called folk music, but it is deeply rooted in the culture of Bengal. This music is derived from a collection of over 2000 songs by Nobel Prize winner Rabindranath Tagore. This music is generally popular among the educated class and upper society of Bengal.

"Korean Kanakaraju" is coming to OTT to make waves. When and where will Varun Tej's horror comedy release?

Varun Tej Konidela and Ritika Nayak's horror-comedy "Korean Kanakaraju" is set to release online. "Korean Kanakaraju" OTT Release Date - When and where will Varun Tej's film release? Released in theaters on August 7th Varun Tej Konidela and Ritika Nayak's "Korean Kanakaraju" was released in theaters on August 7th, 2026. Directed by Merlapaka Gandhi, this Indo-Korean horror-comedy is now ready to stream online. Find out when and where the film will release on OTT. What is the story of "Korean Kanakaraju"? The lead character of "Korean Kanakaraju" is Kanakaraju, a short-tempered but carefree young man who runs a traditional bhajan troupe and also supports his family. He is in love with Chaitra, a girl who works at a nearby motor plant and dreams of going to South Korea; he loves the culture, K-pop, and K-dramas. Kanakaraju's life takes a unique turn when a mysterious vessel containing the remains of a Korean man arrives. After a strange accident, Kanakaraju drinks the contents, and the man's spirit takes over his body. Whenever Korea is mentioned, he energetically demonstrates his martial arts and swordsmanship. The spirit has an unfulfilled purpose that can only be fulfilled in South Korea. To free Kanakaraju from the spirit's possession and restore his life to normal, he, Chaitra, and his photographer friend Krishnappa travel to Korea. Their journey soon turns into a tumultuous adventure, filled with comedy and drama. When and where to watch 'Korean Kanakaraju'? - 'Korean Kanakaraju' is set to premiere on the OTT platform Netflix and will begin streaming on September 4, 2026. The film will be available in Telugu, Tamil, Kannada, Malayalam, and Hindi with dubbed versions. About 'Korean Kanakaraju' 'Korean Kanakaraju' stars Varun Tej Konidela and Ritika Nayak in lead roles. Sathya, Sunil Varma, Daksha Nagarkar, VTV Ganesh, Mahesh Achantha, Srinivas Avasarala, and several others will also be seen in pivotal roles.

124 years ago, the filmmaker went bankrupt after making the world's first sci-fi film; magicians and dancers worked on the film.

The first sci-fi film in cinema was made seven decades before humans set foot on the moon, but despite this achievement, the filmmaker was disappointed. Which was the world's first science fiction film? This movie was made 124 years ago, and it fell victim to commercial piracy. Humans first set foot on the moon in 1969, but did you know that cinema had already shown glimpses of science fiction films seven decades before that? But how did this happen? Yes, cinema is often dominated by fictional stories and tales, but imagining the world before going to space and the moon is an interesting experience in itself. If you, after watching science fiction films, wonder how the making of such films began? So let's find out what the world's first sci-fi film was and how it was made. The film's story is interesting: In 1902, French filmmaker Georges Méliès's "A Trip to the Moon," a silent film, was made. In this 14-minute film, scientists are sent to the moon in a rocket. Upon reaching there, they meet the imaginary inhabitants of the lunar world and then return to Earth. Magicians and dancers acted in this 124-year-old film. Its story is inspired by Jules Verne's novels "From the Earth to the Moon" and "Around the Moon," as well as H.G. Wells' "The First Men in the Moon." The film's highlight was its star cast, which included both magicians and dancers. Dancers from the Théâtre du Châtelet played the roles of stars and cannon handlers. Jules-Eugène Legris, a professional magician who performed at Méliès's own theater in Paris, played the role of parade leader. The filmmaker went bankrupt - French filmmaker Georges Méliès made history with the world's first science fiction film, but he was met with disappointment. Méliès had hoped to make a fortune by releasing the film in America, but some people secretly pirated copies of his film and distributed them throughout the United States within a few weeks. This resulted in him making no profit and eventually led to bankruptcy. He used hand-painted frames - While making the first science fiction film, the filmmaker had no reference, so Méliès created the imaginary world of the moon in his own studio, including imaginary creatures living on it. He used miniatures, rudimentary special effects, and hand-painted frames to create this work. "A Trip to the Moon" is a special film not only because it is the world's first sci-fi film, but also because it was the work of a filmmaker's creativity and imagination, not a scientist's. Who knew that this fantasy shown on screen after 7 decades was going to come true and even today after 1 century we will remember that film as the first sci-fi film.

"I'm living off his earnings..." Bharti Singh lashed out at Harsh Limbachiyaa's trolls; revealed the truth for the first time

Bharti Singh and Harsh Limbachiyaa are hosting a new "Indian Game Show" together after four years. Before the show, Bharti gave a befitting reply to those who trolled Harsh about his income and spoke openly about her personal life. Bharti Singh and Harsh Limbachiyaa's new "Indian Game Show": Bharti spoke about her fears and challenges before the show and revealed the real truth to those who trolled Harsh. After the shows "Khatra Khatra Khatra" and "Hum Tum" and "Quarantine," comedian Bharti Singh has once again produced an Indian game show with her husband and writer Harsh Limbachiyaa as producers. The two are also hosting the show, airing on Sony Channel, after four years. Bharti, who has a relationship with Harsh more like a friend than a wife, spoke with her about their show, their career, and balancing work and motherhood. What's her excitement about the new show and her dual role? Indian game shows have taken a toll on me, and I'm very scared. It requires a lot of hard work, sleepless nights, and a lot of thought. I feel the same fear I did when Kaju (my younger son) was born. I've been hosting for several years now. So what's the reason for this fear? Is it the changing dynamics of TV or something else? I don't know, I feel scared every time a new show starts. Be it Laughter Chefs: Unlimited Entertainment or Dance Deewane... anything. I've been working in this industry for 18-19 years, but even today I feel like I'll say something and it won't be heard. Then, a minute or a half after I go on stage, things change completely. When I receive the love and applause, it's fun. Then I feel like I've been refueled, and now I can enjoy driving the show. Has this fear always resulted in a positive outcome, or has it also been negative? To be honest, whenever I've let go of this fear, my performance hasn't been good. If I've gotten caught up in conversations or neglected my attention before going on stage, things have gone wrong. When I've given myself a minute or a half before going on stage, it's been great. My mom always said to always go on stage with fear, and then not be afraid after going on. I always practice this. Do you feel any extra pressure working with your husband, Harsh? Harsh has worked very hard for this show. We're producers, but that doesn't mean we can just sit at home and ask people what's done and what isn't? Something you've put a lot of effort into is always more fearful. I'm having a lot of fun doing all this with Harsh. I'm so proud to work with him. What goes on behind the set all week? Who's wearing what, whose hair is styled how? Who's done what? He's the one overseeing everything. That's why, even if I argue with him, I regret it later, thinking, "I'm not doing anything wrong." Yet, I'm also labeled a producer. It's often seen that if a wife earns more or is famous, people make fun of her. The same is true with Harsh. What's your reaction? Right now, I'm just sitting on his earnings. We've never paid attention to this. I've said before that we're more like good friends than husband and wife. There's no question of more or less income or fame among friends. As for jokes, I sometimes jokingly tell him, "I'm your senior." Someone who understands these things positively can never get angry or upset. When we get together, our work is even better. The children are still young. How do you balance work and the responsibilities of motherhood? Family is everyone's backbone. Our backbone is so strong that it keeps us from faltering. They say, "You work, we're behind you." When we're not around, the kids are always there, including their grandmother, grandmother, and aunts. We're not even aware of it, and there are parties going on at home with the kids. As a mother, I feel incredibly comforted by how safe, comfortable, and happy my children are. Then, I feel like a lioness and perform even better, without worrying about time or getting home.